पौष शुक्ल - 30 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 170 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 13-01-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 धर्म से ज्यादा देश के लोगों को रोटी की जरूरत : अखिलेश यादव

6 रिटायर्ड अफ़सरों के बोझ तले दबा आरटीआई का ढाँचा

4 लक्ष्य की प्राप्ति में युवा शक्ति की सबसे बड़ी भूमिका : भजनलाल

फर्स्ट टेक

महाराष्ट्र के जलगांव में ताप्ती गंगा एक्सप्रेस पर पथराव, कोई घायल नहीं

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के जलगांव रेलवे स्टेशन के नजदीक रविवार को ताप्ती गंगा एक्सप्रेस ट्रेन पर एक पत्थर फेंका गया, जिसके बाद पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ, केवल बी6 कोच की खिड़की का एक शीशा क्षतिग्रस्त हो गया। जलगांव रेलवे पुलिस के अधिकारी ने बताया कि सूरत से छपरा जा रही ताप्ती गंगा एक्सप्रेस में सवार कुछ यात्रियों ने पथराव की सूचना सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के जरिए दी। अधिकारी ने बताया कि महाकुंभ मेले के लिए प्रयागराज जा रहे यात्रियों के अनुसार, जलगांव स्टेशन से रवाना होने के दो-तीन किलोमीटर बाद ट्रेन पर पत्थर फेंका गया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ओडिशा : गश्ती जहाज पर बीच समुद्र में हमला

केंद्रपाड़ा (ओडिशा)/भाषा। ओडिशा के गहिरमाथा समुद्री अभयारण्य के प्रतिबंधित जल क्षेत्र में मछली पकड़ने वाली एक नौका के चालक दल ने गश्ती जहाज पर कथित तौर पर हमला कर दिया। एक वन अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि चालक दल ने साजिश के तहत हमला किया, जो बाबूबली तट के पास अवैध रूप से मछली पकड़ रहे थे। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि नौका के चालक दल के सदस्यों ने गश्ती जहाज को डुबोने की कोशिश की। राजनगर मैंग्रोव (वन्यजीव) वन प्रभाग के एक अधिकारी ने कहा, ''जब नौका ने चेतावनियों को नजरअंदाज किया, तो गश्त कर रहे कर्मियों ने आत्मरक्षा में हवा में गोलियां चलाईं। बाद में नौका को रोक लिया गया और चालक दल के 10 सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया गया।''

बांग्लादेश ने सीमा तनाव को लेकर भारतीय उच्चायुक्त को तलब किया

ढाका/भाषा। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने रविवार को सीमा तनाव को लेकर भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को तलब किया। यह घटनाक्रम बांग्लादेश द्वारा यह आरोप लगाए जाने के कुछ घंटों बाद सामने आया है कि भारत द्विपक्षीय समझौते का उल्लंघन करते हुए भारत-बांग्लादेश सीमा पर पांच स्थानों पर बाड़ लगाने की कोशिश कर रहा है। वर्मा को अपराह्न लगभग तीन बजे मंत्रालय में प्रवेश करते देखा गया। विदेश सचिव जशीम उद्दीन के साथ उनकी बैठक लगभग 45 मिनट तक चली।

13-01-2025	14-01-2025
सूर्यास्त 6:11 बजे	सूर्योदय 6:45 बजे

BSE	NSE
77,378.91	23,440.00
(-241.30)	(-86.50)

सोना	चांदी
8,014 रु.	91,295 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

ऊँचे भाव

बोला प्याज टमाटर से यूं,
तेरे अच्छे दिन छाए।
अब सलाद की महफिल सूनी,
मिर्ची खीरे मुरझाए।
कीमत तो तब मानें जब कुछ,
परिवर्तन यदि आ पाए।
भाव हमारे ऊँचे थे तब,
हम सरकार गिरा आए।।

पौष पूर्णिमा पर स्नान अनुष्ठान के साथ

आज से शुरू होगा 'आस्था का महाकुंभ'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज (उप्र)/भाषा। प्रयागराज में संगम की रेती पर लगने वाला दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक जमावड़ा यानी महाकुंभ सोमवार को पौष पूर्णिमा के शुभ अवसर पर पहले प्रमुख स्नान अनुष्ठान के साथ शुरू हो जाएगा। गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम स्थल पर होने वाले आस्था के इस महा आयोजन में अगले 45 दिनों के दौरान अध्यात्म के अनेक रंग बिखरेंगे।

महाकुंभ का यह संस्करण 12 वर्षों के बाद आयोजित किया जा रहा है।

हालांकि संतों का दावा है कि इस आयोजन के लिए खगोलीय परिवर्तन और संयोजन 144 वर्षों के बाद हो रहे हैं जो इस अवसर को और भी ज्यादा शुभ बना रहे हैं। शायद इसीलिए उत्तर प्रदेश सरकार को भरोसा है कि इस बार महाकुंभ में 35 करोड़ श्रद्धालु आएंगे।

श्रद्धालुओं का आंकड़ा अभी से इस महाकुंभ की आध्यात्मिक भव्यता की कहानी बयान कर रहा है। एक अनुमान के मुताबिक महाकुंभ की औपचारिक शुरुआत से दो दिन पहले शनिवार को रिकॉर्ड 25 लाख लोगों ने संगम में पवित्र डुबकी लगाई। अधिकारियों के मुताबिक, ''यह एक भव्य महाकुंभ होगा, जिसमें दिव्यता और आध्यात्मिकता के साथ-साथ आधुनिकता भी दिखाई देगी क्योंकि यह एक तरह का 'डिजी-कुंभ' भी होगा जिसमें एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया जाएगा।''

प्रयागराज इस भव्य अवसर के लिए पूरी तरह से तैयार है और यह शहर दुनिया भर से संतों, तीर्थयात्रियों, भक्तों और आम जनता के लिये भी पलकें बिछाये है। सभी का लक्ष्य आध्यात्मिक उत्साह में सराबोर होना है।

भारत को जानने का अवसर है प्रयागराज महाकुंभ : योगी आदित्यनाथ

गोरखपुर/एजेन्सी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ देश और दुनिया के लोगों को उत्तर प्रदेश और भारत को जानने का महत्वपूर्ण अवसर है और इस भव्य एवं दिव्य आयोजन में भारत की आध्यात्मिक विरासत को संतों के माध्यम से जानने और देखने का अद्भुत अनुभव भी मिलेगा।

योगी रविवार को गोरखपुर महोत्सव 2025 के औपचारिक समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि 13 जनवरी से 26 फरवरी तक 45 दिन का भव्य आयोजन सोमवार से शुरू हो रहा है और 40 करोड़ आबादी महाकुंभ में आएगी। 40 करोड़ की आबादी दुनिया के अंदर भारत और चीन के अलावा किसी भी देश में नहीं है। उन्होंने कहा कि मां गंगा, यमुना और सरस्वती की त्रिवेणी के संगम में स्नान करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि पहली बार महाकुंभ को लेकर अक्षय वट कॉरिडोर, मां सरस्वती, बड़े हनुमान मंदिर, महर्षि व्यास और भगवान राम और निषादराज कॉरिडोर बन गया है। यहां नाग वासुकी और द्वादश ज्योतिर्लिंगऔर चार धाम की यात्रा का आनंद विप्रिका के माध्यम श्रद्धालु कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने बताया कि महाकुंभ का आयोजन 10 हजार एकड़ क्षेत्रफल में हो रहा है। शुक्रवार की रात तक ही 35 लाख श्रद्धालु पहुंच गए थे। उन्होंने जनमानस से अपील की कि मकर संक्रांति पर बाबा गोरखनाथ में खिचड़ी चढ़ाइए और फिर सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को समझने के लिए महाकुंभ जरूर जाइए। उन्होंने कहा 29 जनवरी को 144 वर्ष बाद विशिष्ट संयोग बन रहा है जब भगवान सूर्य मकर राशि में होंगे।

बीएसएफ ने घुसपैठ की कोशिश नाकाम की

24 बांग्लादेशियों और दो रोहिंग्याओं को वापस खदेड़ा

कोलकाता/भाषा। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने बांग्लादेश की सीमा पर घुसपैठ की कोशिशों को नाकाम कर दिया और 24 बांग्लादेशियों तथा दो रोहिंग्याओं को वापस खदेड़ दिया। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि बीएसएफ दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के जवानों ने आठ मवेशियों के अलावा गांजा, अल्कोहल युक्त कफ सिरप फेंसेडिल और अन्य नशीले पदार्थों की भारत से बांग्लादेश तस्करी के प्रयासों को भी विफल कर दिया। उन्होंने बताया कि शनिवार को उत्तर 24 परगना जिले में 20 बांग्लादेशियों और दो रोहिंग्याओं को रोका गया तथा वापस खदेड़ दिया गया, जबकि नादिया जिले में चार अन्य बांग्लादेशियों को वापस खदेड़ा गया। बीएसएफ अधिकारी ने एक बयान में कहा, ''पूछताछ के दौरान पता चला कि उनमें से अधिकतर लोग घर की देखभाल के काम और मजदूरी के काम के लिए मुंबई, बेंगलूरु और हैदराबाद जा रहे थे।''

मेरी कुर्सी खाली नहीं है : मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने रविवार को कहा कि उनकी कुर्सी खाली नहीं है, लेकिन फिर भी पत्रकार ऐसी खबरें दे रहे हैं कि राज्य में सत्ता परिवर्तन होने वाला है। मीडिया में आई उन खबरों का हवाला देते हुए कि उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार जल्द ही उनकी जगह ले लेंगे, सिद्दरामय्या ने अटकलबाजी वाली पत्रकारिता पर कटाक्ष किया। प्रेस क्लब ऑफ बेंगलूरु (पीसीबी) अवॉर्ड-2024 में मुख्यमंत्री ने कहा, हमारे बीच कोई भ्रम नहीं है लेकिन पत्रकार अब भी लिख रहे हैं कि 'सीएम बदला जाएगा'। मेरी कुर्सी खाली नहीं है लेकिन वे अब भी कहते हैं कि मुख्यमंत्री बदला जाएगा। उन्होंने कहा कि खबरें धारणाओं के आधार पर बनाई गई हैं, हालांकि ऐसा कुछ हुआ नहीं है।

देश में ऐतिहासिक परिवर्तन लाएं युवा : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत के बड़े लक्ष्यों को हासिल करना देश के हर नागरिक का कर्तव्य बताते हुए देश के युवाओं का आह्वान किया है कि वे आराम वाली जिन्दगी से बाहर निकल कर जोखिम लें और खुद के साथ देश को भी सफलता की नई ऊंचाइयों पर ले जाकर कर इतिहास के सबसे बड़े परिवर्तन के उत्प्रेरक एवं लाभार्थी बनें।

मोदी ने राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर स्वामी विवेकानंद की जयंती के उपलक्ष्य में रविवार को यहां भारत मंडपम में विकसित भारत युवा नेता संवाद 2025 को संबोधित करते हुए यह आह्वान किया। उन्होंने देश भर से आये तीन हज़ार प्रतिभावान युवाओं से संवाद करते हुए उनको अर्थव्यवस्था के बढ़ने के साथ ही पैदा होने वाले कई अवसरों के बारे में प्रोत्साहित किया और कहा कि उनकी पीढ़ी न केवल देश के इतिहास में सबसे बड़ा परिवर्तन लाएगी, बल्कि वे इसके सबसे बड़े लाभार्थी भी होंगे। प्रधानमंत्री ने युवाओं को सलाह दी कि वे कम्फर्ट जोन से बचें, जोखिम उठाएं और अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलें, जैसा कि यंग लीडर्स डायलॉग के प्रतिभागियों ने प्रदर्शित किया। उन्होंने कहा कि जीवन का यह मंत्र उन्हें सफलता की नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में भारत के युवाओं की जीवंत ऊर्जा पर प्रकाश डाला और कहा कि पूरा देश स्वामी विवेकानंद को याद कर रहा है और उन्हें श्रद्धांजलि दे रहा है, जिन्हें देश के युवाओं पर बहुत भरोसा था। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद का मानना था कि उनके शिष्य युवा पीढ़ी से आएंगे, जो शेरों की तरह हर समस्या का समाधान करेंगे। उन्होंने कहा कि उन्हें स्वामी जी और उनकी मान्यताओं पर पूरा भरोसा है, जैसे स्वामी जी को युवाओं पर भरोसा था। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें स्वामी जी पर पूरा भरोसा है, खासकर युवाओं के बारे में उनके दृष्टिकोण पर। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि यदि स्वामी विवेकानंद आज हमारे बीच होते, तो 21वीं सदी के युवाओं की जागृत शक्ति और सक्रिय प्रयासों को देखकर उनमें नया आत्मविश्वास भर जाता।

जेमिमा की शतकीय पारी से आयरलैंड को भारतीय महिला टीम ने हराकर श्रृंखला जीती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राजकोट/भाषा। जेमिमा रोड्रिग्स के पहले एकदिवसीय शतक के साथ शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों की दमदार पारियों से भारत ने रविवार को यहां दूसरे महिला वनडे में आयरलैंड को 116 रन से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली।

भारत ने पांच विकेट पर 370 रन बनाने के बाद आयरलैंड को 50 ओवर में सात विकेट पर 254 रन पर रोक दिया।

कप्तान स्मृति मंधाना ने 54 गेंद में 73 रन की आक्रामक पारी खेलने के अलावा पहले विकेट के लिए प्रतिका रावल (60 गेंद में 67 रन) के साथ 114 गेंद में 156 रन की साझेदारी कर के भारत को तेज शुरुआत दिलायी।

जेमिमा ने 91 गेंद में 102 रन की पारी में 12 चौके लगाए। उन्होंने हरलीन देयोल (84 गेंदों पर 89 रन) के साथ तीसरे विकेट के लिए 168 गेंद में 183 रन की बड़ी साझेदारी कर टीम का बड़ा स्कोर सुनिश्चित किया।

भारतीय बल्लेबाजों ने आयरलैंड की कमजोर गेंदबाजी का फायदा उठाते हुए 50 ओवर में 44 चौके और तीन छक्के जड़े।

भारत के बड़े स्कोर के दबाव में आयरलैंड के बल्लेबाजों ने आक्रामक बल्लेबाजी की जगह पूरे 50 ओवर खेलने पर ध्यान दिया और टीम कभी भी जीत की स्थिति में नहीं थी।

पांच हजार युवा नक्सलवाद छोड़कर मुख्यधारा में शामिल हुए : गडकरी

मुंबई/भाषा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को कहा कि महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में नक्सलवाद की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है। उन्होंने कहा कि लगभग पांच हजार युवा नक्सलवाद के रास्ते को छोड़कर मुख्यधारा में शामिल हो गए हैं और उनमें से कई को रोजगार भी मिला है।

अहिल्यानगर जिले के शिरडी में भाजपा के राज्य स्तरीय अधिवेशन में उन्होंने कहा कि अगले पांच वर्ष में गढ़चिरौली महाराष्ट्र में सबसे अधिक राजस्व अर्जित करने वाला जिला बन जाएगा। गडकरी ने भाजपा कार्यकर्ताओं से पार्टी की चुनावी सफलता को सार्थक सामाजिक बदलाव में बदलने की अपील की।

तमिलों ने कई देशों के विकास में अहम योगदान दिया है : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने रविवार को कहा कि सदियों पहले राज्य से दुनिया के कई देशों में गए तमिलों ने उन देशों के विकास में काफी अहम योगदान दिया है।

स्टालिन ने यहां विश्व तमिल प्रवासी दिवस को संबोधित करते हुए कहा कि तमिल भाषा सभी को जोड़ने वाली 'नाभि-रज्जु' है। उन्होंने कहा, यहां एकत्रित हुए अनेक लोगों के पूर्वज लगभग 100, 200 वर्ष पहले मातृभूमि (भारत-तमिलनाडु) छोड़कर चले गए होंगे। अपने अथक परिश्रम, पसीने और त्याग से उन्होंने उन देशों का विकास किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केवल उन्हीं के कारण रेगिस्तान हरे-भरे हो गए, बंजर जमीन पर काली सड़कें बन गईं, अनेक बंदरगाहों का निर्माण हुआ और मजदूरों ने रबड़ तथा गन्ने के बागानों में काम किया और परिणामस्वरूप दुनिया के वे देश समृद्ध हुए।

स्टालिन ने आश्वासन दिया कि तमिलनाडु उन तमिल लोगों की आने वाली पीढ़ियों को गले लगाने के लिए तैयार है, जो बहुत पहले पलायन कर गए थे और उन्होंने प्रवासी समुदाय के लिए विभिन्न कल्याणकारी पहलों की जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से 'वेरगालाई थेडी' (जड़ों की खोज में) नामक पहल पर प्रकाश डाला। यह पहल प्रवासी सदस्यों को राज्य में अपने पूर्वजों के स्थानों और अपने रिश्तेदारों से जुड़ने में मदद करती है।

दुनिया के विभिन्न देशों के निर्वाचित प्रतिनिधियों सहित प्रवासी सदस्यों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

राष्ट्रीय युवा दिवस पर रक्तदान शिविर का किया आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। शहर के केशव रक्त सहाय केंद्र जगन्नाथ राव जोशी स्मारक प्रतिष्ठान में स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्वामी विवेकानंद के आदर्शों, जैसे आत्मविश्वास, अनुशासन और सेवा के मूल्यों को युवाओं में बढ़ावा देना और रक्तदान के माध्यम से समाज की भलाई में योगदान देना था। इस मौके पर राष्ट्रोत्थान रक्त केन्द्र सहाय के प्रबंधक दत्तमूर्ति कुलकर्णी, कार्यक्रम संयोजक विठ्ठल कापसे, संजीव नलवड़े, शिवाजी अवताड़े, नागेश अप्पोजी, संगन्ना कलसद, मीनाजी जोरापुर, मल्लिकार्जुन सवदी, अभिषेक कारिकट्टी, सुधा पाटिल, विनोद पटवा आदि ने युवाओं को रक्तदान के लिए प्रोत्साहित किया।

बाबा उत्सव

बेंगलूरु में बाबा भक्त मंडल द्वारा 12 जनवरी को बाबा पुरुषोत्तमदासजी का वार्षिक उत्सव नेलमंगला स्थित मंदिर में किया गया। बाबा का सुन्दर श्रृंगार किया गया और 56 भोग का प्रसाद लगाया गया। श्रुति पुरोहित द्वारा सुन्दर भजनों की प्रस्तुति दी गई। सुबह से दोपहर तक चले इस उत्सव में बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लिया।

'संयम पथ आत्मकल्याण का मार्ग है'

मुमुक्षु अर्पितकुमार का निकला वर्षीदान का वरघोड़ा, हुआ सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महावीर स्वामी जैन मंदिर चिकपेट व शंखेश्वर पार्श्वनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ राजाजीनगर के तत्वावधान में मुमुक्षु अर्पितकुमार प्रवीणकुमार शाह का वर्षीदान वरघोड़ा निकाला गया। शंखेश्वर मंदिर से मुमुक्षु अर्पित का वर्षीदान का वरघोड़ा निकाला गया जो कि विभिन्न मार्गों से होते हुए सलोत जैन आराधना भवन पहुंचा जहां दीक्षार्थी का सम्मान किया गया। आचार्यश्री विज्ञानप्रभसूरीश्वरजी व अन्य साधु साध्वियों की निश्रा में आयोजित सम्मान समारोह में संघ की ओर से तथा अन्य गणमान्य लोगों ने मुमुक्षु अर्पितकुमार का सम्मान किया गया। इस मौके पर मुमुक्षु अर्पित कुमार ने उपस्थित सभी जनों को दीक्षा में शामिल होने का निवेदन दिया। दीक्षार्थी ने बताया कि उनकी दीक्षा 27 जनवरी को गिरनार तीर्थ में आचार्यश्री हेमवल्लभसूरीश्वरजी की निश्रा में होगी। इस मौके पर संतश्री ने कहा कि संयम पथ आत्मकल्याण का मार्ग है। संघ की ओर से मुमुक्षु के माता पिता का सम्मान भी किया गया। मुमुक्षु के पिता प्रवीण शाह ने सभी को धन्यवाद दिया।

महाराष्ट्र चुनाव में भाजपा की जीत से शरद पवार की विश्वासघात की राजनीति का अंत हुआ : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिरडी/भाषा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि राकांपा (एसपी) के प्रमुख शरद पवार ने 1978 से महाराष्ट्र में विश्वासघात और छल-कपट की राजनीति की, जिसका अंत विधानसभा चुनाव में भाजपा की जबरदस्त जीत और स्थिर सरकार स्थापित करने के संकल्प के साथ हुआ।

शाह ने यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्य-स्तरीय अधिवेशन को संबोधित करते हुए कहा कि महाराष्ट्र की जनता ने पिछले साल के चुनाव में वंशवाद और विश्वासघात की राजनीति को खारिज करके शरद पवार और शिवसेना (उबाठा) नेता उद्धव ठाकरे को उनकी जगह दिखा दी।

दिल्ली, पश्चिम बंगाल, बिहार और महाराष्ट्र में कांग्रेस और सहयोगी दलों के बीच मतभेदों का हवाला देते हुए शाह ने कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडी' का पतन शुरू हो गया है।

शाह ने कहा, शरद पवार ने 1978 में महाराष्ट्र में 'दगा-फटका' (छल-कपट) की राजनीति शुरू की, जिसे 2024 (चुनाव) में लोगों ने नकार दिया। इसी तरह वंशवाद की राजनीति और उद्धव ठाकरे के विश्वासघात को भी नकार दिया गया। जनता ने 2024 के चुनाव में पवार और उद्धव ठाकरे को उनकी जगह दिखा दी।

महाराष्ट्र में भाजपा की जीत के दीर्घकालिक परिणाम होने का उल्लेख करते हुए शाह ने कहा कि ऐतिहासिक जीत ने 'इंडी' गठबंधन के आत्मविश्वास को तोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि अगले महीने होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा निश्चित तौर पर जीत हासिल करेगी।

एमवीए एकजुट है, स्थानीय निकाय चुनावों के समीकरण अलग हैं : अंबादास दानवे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। शिवसेना (उबाठा) के नेता अंबादास दानवे ने रविवार को कहा कि महा विकास आघाडी (एमवीए) एकजुट है लेकिन राज्य में स्थानीय निकाय चुनावों के समीकरण अलग हैं। शिवसेना (उबाठा) ने घोषणा की है कि वह आगामी स्थानीय निकाय चुनाव अकेले ही लड़ेगी।

महाराष्ट्र विधान परिषद में विपक्ष के नेता दानवे ने पुणे में संवाददाताओं से बातचीत के दौरान आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ महायुति एमवीए को तोड़ने के लिए उत्सुक है। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी ने शनिवार को घोषणा की कि वह स्थानीय निकाय चुनाव अकेले ही लड़ेगी। इस कदम से विपक्षी खेमे की एकता पर सवाल उठने लगे हैं। शिवसेना (उबाठा) के नेता संजय राउत ने एमवीए गठबंधन में संबंधित राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं के लिए अवसरों की कमी और अपनी पार्टी के संगठनात्मक विकास के अधिकार को अकेले चुनाव लड़ने के प्रमुख कारणों के रूप में उद्धृत किया है। दानवे ने कहा, एमवीए एकजुट है। लेकिन, स्थानीय निकाय चुनाव के लिए समीकरण अलग हैं। सत्ताधारी दल हमारे गठबंधन को तोड़ने के लिए आतुर हैं। लेकिन उनकी यह इच्छा पूरी नहीं होगी। पार्टी नेता आदित्य ठाकरे की मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात के बारे में पूछे जाने पर दानवे ने कहा, यदि लोगों की समस्याओं का समाधान करने के लिए मुख्यमंत्री से मिलकर उन पर चर्चा की जाए तो उसमें कोई बुराई नहीं है।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में तीन नक्सली मारे गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीजापुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में रविवार को सुरक्षाकर्मियों के साथ मुठभेड़ में तीन नक्सली मारे गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

बस्तर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी ने बताया कि नक्सल रोधी अभियान पर निकली सुरक्षाकर्मियों की संयुक्त टीम की इंद्रावती राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र के जंगल में सुबह नक्सलियों के साथ मुठभेड़ हो गई। उन्होंने बताया कि इस अभियान में जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी), विशेष कार्य बल (एसटीएफ) और जिला बल के जवान शामिल थे।

अधिकारी ने बताया कि रुक-रुककर हो रही गोलीबारी बंद होने के बाद घटनास्थल से वर्दीधारी तीन नक्सलियों के शव, स्वचालित हथियार और विस्फोटक बरामद हुए। उन्होंने बताया कि इलाके में तलाशी अभियान अब भी जारी है।

इसके साथ ही इस साल अब तक राज्य में अलग-अलग मुठभेड़ों में 12 नक्सली मारे जा चुके हैं।

जम्मू कश्मीर: गांदरबल के निवासियों को जेड-मोड़ सुरंग से पर्यटन को बढ़ावा मिलने की आस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सोनमर्ग (जम्मू कश्मीर)/भाषा। श्रीनगर-सोनमर्ग राजमार्ग पर 6.5 किलोमीटर लंबी जेड-मोड़ सुरंग के दोनों ओर रहने वाले गांदरबल जिले के निवासियों को उम्मीद है कि इस विशाल बुनियादी ढांचा परियोजना से स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा और क्षेत्र में बेरोजगारी खत्म करने में मदद मिलेगी।

स्थानीय दुकानदार मोहम्मद युसूफ शेरा ने कहा, यह अच्छी बात है कि जेड-मोड़ सुरंग जल्द ही खुल जाएगी, जिससे स्थानीय लोगों को बहुत फायदा होगा। सर्दियों में सोनमर्ग का नजारा बहुत खूबसूरत होता है, लेकिन सड़क बंद होने की वजह से पर्यटक नहीं आ पा रहे थे। हम इस सुरंग के लिए सरकार के आभारी हैं। शेरा को विश्वास है कि श्रीनगर और सोनमर्ग के बीच साल भर की कनेक्टिविटी इस जगह की वैश्विक अपील को बढ़ाएगी। उन्होंने कहा, सोनमर्ग अब न केवल देश में बल्कि दुनिया भर में मशहूर हो जाएगा। मुझे लगता है कि विदेशियों को यह जगह पसंद आएगी।

उन्होंने इसे सशस्त्रबलों के लिए फायदेमंद बताते हुए कहा, ... सुरंग से सैनिकों को बेहतर कनेक्टिविटी की सुविधा मिलेगी। जेड-मोड़ सुरंग ने श्रीनगर और सोनमर्ग के बीच यात्रा के समय को कम कर दिया है जिससे गाड़ियां घुमावदार सड़कों पर पहले की 30 किलोमीटर प्रति घंटे की गति की तुलना में अब 70 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से जा सकती हैं। सुरंग से प्रति घंटे 1000 वाहन गुजर सकते हैं। इस परियोजना का सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उद्घाटन करेंगे। जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव के बाद इस केंद्रशासित प्रदेश में मोदी की यह पहली यात्रा होगी। शबीर अहमद ने कहा कि इस सुरंग से सालभर सोनमर्ग आना-जाना हो सकेगा।

मोदी करेंगे जेड-मोड़ सुरंग का उद्घाटन, सुरक्षाबलों ने कश्मीर में अभेद्य सुरक्षा की कवायद तेज की

श्रीनगर/भाषा। जम्मू कश्मीर के गांदेरबल जिले में सामरिक रूप से महत्वपूर्ण जेड-मोड़ सुरंग के उद्घाटन के वास्ते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कश्मीर घाटी यात्रा से एक दिन पहले रविवार को सुरक्षाबलों ने सुरक्षा संबंधी चौकसी और क्षेत्र को अपने नियंत्रण में लेने की कवायद तेज कर दी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षाकर्मियों की तैनाती बढ़ा दी गई है और विभिन्न जिलों में महत्वपूर्ण चौराहों पर दर्जनों चौकियां स्थापित की गई हैं, ताकि सुनिश्चित किया जा सके कि राष्ट्र-विरोधी तत्व खुलेआम घूम न सकें। उन्होंने कहा कि लोगों के साथ-साथ दोपहिया वाहनों सहित विभिन्न गाड़ियों की आकस्मिक जांच और तलाशी बढ़ा दी गई है तथा गश्त भी की जा रही है। उन्होंने कहा, जेड-मोड़ सुरंग के पास सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। एसपीजी कर्मियों वाली प्रधानमंत्री की सुरक्षा टीम ने कार्यक्रम स्थल पर मोर्चा संभाल लिया है। अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री गगनगीर में सुरंग के उद्घाटन के बाद एक रैली को संबोधित कर सकते हैं।

इस साल भू-राजनीतिक अनिश्चितता, ट्रंप 2.0, एआई से प्रभावित होगा वैश्विक व्यापार : विशेषज्ञ

नई दिल्ली/भाषा। भू-राजनीतिक दबाव, निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका में नए सिरे से व्यापार युद्ध की संभावना, स्थिरता-आधारित अड़चनों में वृद्धि, प्रमुख क्षेत्रों में चीन की अत्यधिक क्षमता और कृत्रिम मेधा (एआई) में तेजी से प्रगति जैसे कारक 2025 में वैश्विक व्यापार को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करेंगे। विशेषज्ञों ने यह बात कही है। उन्होंने कहा कि भारतीय निर्यातकों और आयातकों को इन चुनौतियों से निपटने के लिए सरकार के साथ मिलकर काम करना चाहिए। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत को अपनी एआई रणनीति को प्राथमिकता देने की जरूरत है, क्योंकि यह कारोबार लॉजिस्टिक और आपूर्ति शृंखला प्रबंधन को बदलने और व्यापार के पारंपरिक तरीकों को नया आकार देने की क्षमता रखता है। व्यापार विशेषज्ञ और हाई-टेक गियर्स के चेयरमैन दीप कपूरिया ने कहा, एआई तेजी से भविष्य के व्यापार के लिए एक महत्वपूर्ण साधन के रूप में उभर रहा है। एआई-आधारित डिजिटल बदलाव न केवल सेवा व्यापार को बढ़ावा देगा, बल्कि यह वाहनों से लेकर रोबोटिक्स और उससे भी आगे व्यापार योग्य एआई-आधारित वस्तुओं की पूरी नई श्रेणियां भी बना सकता है।

उद्धव की ताकत में कमी आई है: राणे

मुंबई/भाषा। भाजपा के सांसद नारायण राणे ने स्थानीय निकाय चुनाव अकेले लड़ने के शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे के फैसले को लेकर उन पर निशाना साधते हुए रविवार को आरोप लगाया कि उद्धव का आत्मविश्वास और उनकी ताकत कम हो चुकी है। शिवसेना (उबाठा) ने शनिवार को स्थानीय निकाय चुनाव अकेले लड़ने की घोषणा की। इससे विपक्षी महा विकास आघाडी (एमवीए) की एकता पर सवालिया निशान खड़ा हो गया है। शिवसेना (उबाठा) के नेता संजय राउत ने एमवीए गठबंधन में संबंधित राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं के लिए अवसरों की कमी और अपनी पार्टी के संगठनात्मक विकास के अधिकार को अकेले चुनाव लड़ने के प्रमुख कारणों के रूप में उद्धृत किया है। राउत ने कहा कि 'इंडिया' गुट और एमवीए गठबंधन – जिसमें शिवसेना (उबाठा), कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) शामिल हैं – लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनावों के लिए बने हैं।

महाराष्ट्र : पालघर में एटीएम तोड़कर 25 लाख रुपए से अधिक की लूट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पालघर/भाषा। महाराष्ट्र के पालघर जिले में रविवार को कुछ अज्ञात लोगों ने एक राष्ट्रीयकृत बैंक के एटीएम को तोड़कर उसमें से 25 लाख रुपए से अधिक की नकदी लूट ली। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि चोरी की यह घटना बोईसर इलाके में सुबह लगभग साढ़े तीन बजे हुई।

बोईसर पुलिस थाने के वरिष्ठ निरीक्षक सिरीश पवार ने बताया कि बदमाशों ने एटीएम तोड़ दिया और उसमें से 25 लाख रुपए से अधिक लूटकर फरार हो गए।

पुलिस अभी तक घटना में शामिल लोगों की संख्या का पता नहीं लगा पाई है, क्योंकि सीसीटीवी फुटेज में केवल एक ही व्यक्ति दिखाई दे रहा है। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने चोरी से पहले कैमरे पर किसी पदार्थ का छिड़काव भी किया था।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस घटना के संबंध में भारतीय न्याय संहिता के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और इस संबंध में जांच जारी है।

रुपए में गिरावट से एयर इंडिया के लागत ढांचे पर दबाव: कंपनी अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए में गिरावट से एयरलाइन एयर इंडिया की लागत संरचना और लाभप्रदता पर दबाव पड़ता है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हालांकि, एयरलाइन के पास कुछ प्राकृतिक बचाव है क्योंकि यह उन अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए अधिक किराया ले सकती है जहां टिकटों की कीमत विदेशी मुद्राओं में होती है।

हाल के सप्ताहों में भारतीय रुपया गिरता रहा है और 10 जनवरी को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.04 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। कमजोर रुपए के कारण एयरलाइन कंपनियों के परिचालन खर्च बढ़ता है, क्योंकि उनकी अधिकांश लागत डॉलर में होती है। एयर इंडिया के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी (सीसीओ) निपुण अग्रवाल ने कहा कि रुपए में गिरावट निश्चित रूप से उद्योग और एयर इंडिया के लिए एक चुनौती है, और उत्पादकता में सुधार और अन्य पहल करके स्थिति से निपटना होगा। इसी सप्ताह उन्होंने संवाददाताओं से कहा, रुपए में गिरावट से हमारी लागत संरचना पर दबाव पड़ता है क्योंकि हमारी अधिकांश लागत डॉलर में है, सिवाय मानव संसाधन लागत के जो स्थानीय मुद्रा में है। रुपए में जितनी गिरावट होगी, हमारी लागत संरचना और लाभप्रदता पर उतना ही अधिक दबाव पड़ेगा।

एयर इंडिया समूह प्रतिदिन 1,168 उड़ानें संचालित करता है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए 313 सेवाएं शामिल हैं। इन विदेशी उड़ानों में से 244 छोटी दूरी की और 69 लंबी दूरी की हैं।

चुनावी वादों को पूरा करने में विफल रही 'आप' सरकार, दिल्ली को 'बर्बाद' कर दिया: भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को आरोप लगाया कि राष्ट्रीय राजधानी में आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार अपने सभी प्रमुख चुनावी वादों को पूरा करने में विफल रही है और उसने दिल्ली को बर्बाद कर दिया है।

भाजपा मुख्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में पार्टी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने यमुना की सफाई और दिल्ली को प्रदूषण मुक्त बनाने समेत 10 वादे गिनाए, जो आप ने 2020 के चुनाव से पहले किए थे, लेकिन ये पूरे नहीं हुए।

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए पुरी ने कहा कि आप के राष्ट्रीय संयोजक केवल झूठ फैलाते हैं और मतदाताओं से उनकी पार्टी द्वारा किए गए वादों को पूरा करने के लिए कोई प्रयास नहीं करते। भाजपा नेता ने कहा कि केजरीवाल यह कहते हुए राजनीति में आए थे कि

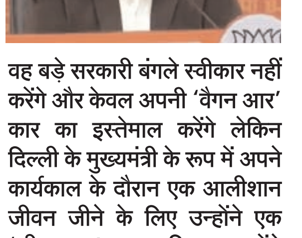

वह बड़े सरकारी बंगले स्वीकार नहीं करेंगे और केवल अपनी 'वैगन आर' कार का इस्तेमाल करेंगे लेकिन दिल्ली के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान एक आलीशान जीवन जीने के लिए उन्होंने एक 'शीशमहल' बनवा लिया। उन्होंने कहा, आप ने दिल्ली को बर्बाद कर दिया। पुरी ने पंजाब की आप सरकार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी ने सीमावर्ती राज्य में नशे की बुराई को खत्म करने का वादा किया था लेकिन इसके बजाय इससे जुड़े माफियाओं को ज्यादा 'ऊर्जा' मिल गई। उन्होंने कहा, सुबह से शाम तक वे (आप) केवल टीवी चैनलों पर विज्ञापन चला रहे हैं। आपके पास अधिकार (विज्ञापन चलाने का) है क्योंकि आप उनके लिए भुगतान कर रहे हैं। मुझे खुशी है कि टीवी चैनलों के मालिक पंजाब के नशा मुक्त नेतृत्व के बारे में विज्ञापन चलाकर राजस्व कमा रहे हैं। 70 सदस्यीय दिल्ली विधानसभा के लिए पांच फरवरी को मतदान होगा और मतों की गिनती आठ फरवरी को होगी। साल 2015 और 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में आप ने क्रमशः 67 और 62 सीट जीती थीं। भाजपा ने 2015 में तीन सीट और 2020 में आठ सीट जीतीं, जबकि कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिली। पुरी ने केजरीवाल के इस दावे को लेकर उन पर निशाना साधा कि भाजपा अगर आगामी विधानसभा चुनाव के बाद सत्ता में आई तो दिल्ली की सभी झुग्गियां ढहा दी जाएंगी।

बेंगलूरु के चामराजपेट में शरारती तत्वों ने किया गायों पर हमला, जांच के आदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलूरु के चामराजपेट इलाके में उस समय तनाव फैल गया जब कुछ अज्ञात लोगों ने तीन गायों पर हमला कर उनके थन काट दिए। पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह घटना चामराजपेट के विनायकनगर में हुई। ये गाय स्थानीय व्यक्ति कर्ण की हैं। मवेशियों की दर्दनाक आवाज सुनकर स्थानीय लोग जाग गए और उन्होंने देखा कि मवेशी घायल अवस्था में खून से लथपथ पड़े हैं, जिससे इलाके में आक्रोश फैल गया। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा कि उन्होंने बेंगलूरु के पुलिस आयुक्त बी दयानंद को मामले की जांच करने और कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। इस घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने घोषणा की कि यदि सरकार कार्रवाई करने में विफल रही तो वह काली संक्रांति' मनाएगी।

कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने संवाददाताओं से कहा, यह जघन्य कृत्य जिहादी मानसिकता को दर्शाता है। अगर सरकार आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने में विफल रहती है तो हम 'काली संक्रांति' मनाएंगे। उन्होंने गायों और बैलों के सांस्कृतिक एवं धार्मिक महत्व पर जोर दिया, जिन्हें संक्रांति त्योहार के दौरान सजाया और पूजा जाता है। अशोक ने कहा, 'इस घटना के बाद हम संक्रांति कैसे मना सकते हैं?' भाजपा नेता पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और गायों के मालिक को सांत्वना दी।

राज्य विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी और पूर्व उपमुख्यमंत्री सी एन अश्वथ नारायण सहित भाजपा के कई नेताओं ने इस घटना की निंदा की।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा कि उन्होंने पुलिस को दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने बेल्लारी में संवाददाताओं से कहा, मैंने पुलिस आयुक्त से बात की है। मैंने उनसे कहा है कि दोषियों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई करें।

मैंने उनसे कहा है कि जिन लोगों ने इस घटना को अंजाम दिया है, उनका पता लगाया जाए। उन्होंने कहा कि वह यह सुनिश्चित करेंगे कि जिसने भी ऐसा किया है, उसके खिलाफ कार्रवाई हो। हिंदू संगठनों द्वारा विरोध प्रदर्शन के बारे में पूछे जाने पर सिद्दरामय्याने कहा कि वे मुद्दे का राजनीतिकरण करने का प्रयास कर रहे हैं। पुलिस ने बताया कि घटना के संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है।

शिवकुमार ने वोक्कालिगा संघ के पदाधिकारियों से जाति जनगणना बैठक स्थगित करने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने रविवार को कहा कि उन्होंने वोक्कालिगा संघ के पदाधिकारियों से जाति जनगणना पर बैठक स्थगित करने को कहा है। उन्होंने साथ ही चेतावनी दी कि अगर उन्होंने झगड़ना बंद नहीं किया तो वह संघ में प्रशासक नियुक्त कर देंगे।

शिवकुमार ने कहा, हमारे नए पदाधिकारियों की एक टीम मुझसे मिलने आई थी। वे सभी सुलह के बाद एक साथ आए। मैंने उन्हें चेताया कि अगर झगड़ा जारी रहा तो मैं संघ में एक प्रशासक नियुक्त करूंगा। वे इस बात पर सहमत हुए हैं कि वे मिलकर काम करेंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या उन्होंने संघ के पदाधिकारियों के साथ बैठक की, उपमुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने न तो कोई बैठक की और न ही इसकी आवश्यकता महसूस की।

उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, संघ के पदाधिकारियों ने जाति जनगणना के संबंध में बैठक करने का निर्णय लिया था। मैंने उनसे बैठक स्थगित करने को कहा, क्योंकि इससे अनावश्यक भ्रम पैदा होगा। मैंने उनसे यह भी कहा कि मैं इस बारे में आदि चुनचनगिरी मठ के महंत निर्मलानंदन स्वामी से बात करूंगा। वोक्कालिगा कर्नाटक के प्रमुख कृषक समुदायों में से एक है, जिससे शिवकुमार ताल्लुक रखते हैं। पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष के जयप्रकाश हेगड़े ने 29 फरवरी, 2024 को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को सामाजिक-आर्थिक और शिक्षा सर्वेक्षण रिपोर्ट सौंपी थी जिसे आमतौर पर जाति जनगणना रिपोर्ट के रूप में जाना जाता है। इसने विभिन्न पिछड़े समुदायों के बीच बहस छेड़ दी है क्योंकि कुछ ने इसका विरोध किया है।

राज्य के कानून और संसदीय मामलों के मंत्री एच के पाटिल ने दो जनवरी को कहा था कि मंत्रिमंडल अपनी अगली बैठक में जाति जनगणना पर चर्चा करेगा। सी टी रवि से संबंधित मामले को स्थानांतरित करने के बारे में विधान परिषद के सभापति बसवराज होरट्टी द्वारा गृह मंत्री को लिखे गए पत्र के बारे में पूछे जाने पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि गृह मंत्री इसका जवाब देंगे।

भाजपा के विधान परिषद सदस्य रवि पर 19 दिसंबर 2024 को बेलगावी में विधान परिषद सत्र के आखिरी दिन महिला एवं बाल कल्याण मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के खिलाफ अपशब्दों का इस्तेमाल करने का आरोप है। इस संबंध में रवि के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

जयंती

रविवार को कलबुर्गी में जिला प्रशासन द्वारा आयोजित 162वीं स्वामी विवेकानंद जयंती में 80 छात्रों ने भाग लिया।

महिलाओं के सामाजिक, औद्योगिक समावेशन के लिए चेन्नई शीर्ष तीन भारतीय शहरों में शामिल

चेन्नई। चेन्नई को महिलाओं के लिए सामाजिक और औद्योगिक समावेशन में उत्कृष्टता प्राप्त करने वाले भारत के शीर्ष तीन शहरों में से एक माना गया है। हाल ही में हुए एक अध्ययन में यह जानकारी दी गई है। तमिलनाडु के आठ शहरों को इस सूची में स्थान मिला है, जिसमें राजधानी शहर कामकाजी महिलाओं के लिए सबसे समावेशी, सुरक्षित और लचीला और टिकाऊ शहर होने के कारण दूसरे स्थान पर है। अवतार समूह की 2024 में भारत में महिलाओं के लिए शीर्ष शहरों की रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण भारत सबसे अधिक लिंग-समावेशी क्षेत्र के रूप में उभरा है। इसमें दक्षिण के 16 शहर शीर्ष 25 में शामिल हैं। सर्वेक्षण के अनुसार, 2024 में कामकाजी महिलाओं के लिए देश में सर्वश्रेष्ठ शहर के रूप में शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए बेंगलूरु ने चेन्नई को पीछे छोड़ दिया है।

अवतार समूह की संस्थापक-अध्यक्ष सौंदर्या राजेश ने कहा कि कामकाजी महिलाओं के लिए सबसे समावेशी, सुरक्षित, लचीला, टिकाऊ शहर होने के मामले में चेन्नई दूसरे स्थान पर रहा। तमिलनाडु ने सर्वेक्षण के परिणामों पर अपना दबदबा बनाया। कोयंबटूर, तिरुचिरापल्ली, वेल्लोर, मदुरै, सेलम, इरोड और तिरुप्पुर भी सूची में शीर्ष पर रहे। राजेश ने अध्ययन पर कहा, शहर अवसरों की नींव हैं। वे महिलाओं के रहने, काम करने और आगे बढ़ने के तरीके को आकार देते हैं। महिलाओं की प्रगति और समावेशन को आगे बढ़ाने के लिए हमारे शहरों के मूल सिद्धांतों और सांस्कृतिक ताने-बाने की स्पष्ट समझ महत्वपूर्ण है।

यूडीएफ ने दलित लड़की के यौन उत्पीड़न मामले की जांच के लिए एसआईटी की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। विपक्षी यूडीएफ ने रविवार को पथनमथिट्टा जिले में एक दलित लड़की के यौन उत्पीड़न की घटना को आघात बताते हुए राज्य सरकार से आरोपों की जांच के लिए महिला आईपीएस अधिकारी के नेतृत्व में विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने का आग्रह किया। इसमें कथित तौर पर 62 से अधिक लोग शामिल थे। लड़की (जो अब 18 वर्ष की है) ने अपनी हालिया शिकायत में आरोप लगाया है कि 13 वर्ष की उम्र से 62 लोगों ने उसका यौन उत्पीड़न किया। इसके बाद समाज में आक्रोश फैल गया। कांग्रेस नीत मोर्चे ने कहा कि मामले में शामिल कोई भी अपराधी बख्शा नहीं जाना चाहिए और इसके लिए पूरी तरह विश्वसनीय जांच तथा व्यापक साक्ष्य संकलन की आवश्यकता है। राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने कहा, इसके लिए सरकार को तुरंत एक महिला आईपीएस अधिकारी की अध्यक्षता में एक विशेष जांच दल नियुक्त करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि इन परिस्थितियों में यह पता लगाना भी आवश्यक है कि क्या ऐसे और भी अपराध हैं जो अभी सामने आने बाकी हैं। विपक्ष के नेता ने कहा कि पथनमथिट्टा की लड़की के साथ हुआ क्रूर उत्पीड़न हमारी व्यवस्था की कमियों और कमजोरी का सबूत है। पथनमथिट्टा में एक दलित लड़की के कथित यौन उत्पीड़न के सिलसिले में चौदह लोगों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। सभी आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी का आह्वान करते हुए राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने अधिकारियों से तीन दिनों के भीतर विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट मांगी है और न्याय दिलाने के लिए निष्पक्ष और समयबद्ध जांच पर जोर दिया है।

उत्सव

रविवार को बेलगावी के पास संगोल्ली में क्रांतिवीरा संगोल्ली रायन्ना उत्सव के हिस्से के रूप में 90-कलावाहिनी जुलूस ने लोगों को आकर्षित किया।

सिद्दरामय्या ने जाति जनगणना रिपोर्ट कैबिनेट की अगली बैठक में पेश किए जाने के संकेत दिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विजयनगर। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्याने रविवार को संकेत दिया कि जाति जनगणना रिपोर्ट को अगली कैबिनेट बैठक में पेश किया जाएगा। सिद्दरामय्या ने यहां संवाददाताओं को बताया, हमें पिछले साल रिपोर्ट मिली थी। रिपोर्ट को कैबिनेट के सामने रखा जाना है। इस पर हमने 160 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। देखते हैं कैबिनेट में इस पर क्या चर्चा और फैसला होता है।

जाति जनगणना का विरोध करने वाले लोगों के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा, जाति जनगणना और आरक्षण का या तो समर्थन होगा या विरोध होगा। पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष के. जयप्रकाश हेगड़े ने 29 फरवरी, 2024 को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्याको सामाजिक-आर्थिक और शिक्षा सर्वेक्षण रिपोर्ट सौंपी। इसे आमतौर पर जाति जनगणना रिपोर्ट के रूप में जाना जाता है। इसने विभिन्न पिछड़े समुदायों के बीच बहस छेड़ दी है तथा कुछ ने इसका विरोध किया है। राज्य के कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री एच.के. पाटिल ने 2 जनवरी को कैबिनेट ब्रीफिंग के दौरान कहा कि मंत्रिमंडल की अगली बैठक में जाति जनगणना पर चर्चा होगी।

मैक्रोटेक डेवलपर्स ने बेंगलूरु में 20 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया

2,800 करोड़ रुपये का बिक्री लक्ष्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी मैक्रोटेक डेवलपर्स ने अपनी विस्तार योजना के तहत 2,800 करोड़ रुपये की आवासीय परियोजना के विकास के लिए बेंगलूरु में लगभग 20 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया है। लोढ़ा ब्रांड के तहत अपनी संपत्तियों का विपणन करने वाली मुंबई स्थित मैक्रोटेक डेवलपर्स संयुक्त विकास के लिए भूमि मालिकों के साथ साझेदारी करने के साथ-साथ सीधी खरीद के माध्यम से भूमि का अधिग्रहण कर रही है।

सूत्रों ने बताया कि कुल में से लगभग 20 एकड़ भूमि बेंगलूरु में अधिग्रहीत की गई है। कंपनी ने भूमि का कुछ हिस्सा सीधे खरीद लिया है, जबकि शेष हिस्से के लिए भू-स्वामियों के साथ संयुक्त विकास समझौता किया है। दिसंबर तिमाही के लिए अपने नवीनतम परिचालन अपडेट में मैक्रोटेक डेवलपर्स ने बताया कि कंपनी ने बेंगलूरु में 2,800 करोड़ रुपये के जीडीवी (सकल विकास मूल्य) के साथ एक नई परियोजना जोड़ी है। इस अधिग्रहण के साथ, कंपनी के पास अब बेंगलूरु में पांच स्थान हैं। मैक्रोटेक डेवलपर्स ने कहा कि इनसे अगले वित्त वर्ष से बेंगलूरु में महत्वपूर्ण बिक्री-पूर्व वृद्धि के अवसर मिलने की उम्मीद है।

कंपनी ने कुछ वर्ष पहले बेंगलूरु आवास बाजार में प्रवेश किया था। कंपनी मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) और पुणे बाजार में अपनी उपस्थिति का विस्तार कर रही है, जहां इसके पास पर्याप्त बाजार हिस्सेदारी है। कुल मिलाकर, मैक्रोटेक डेवलपर्स ने वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान अपनी बिक्री बुकिंग में 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है और यह रिकॉर्ड 14,520 करोड़ रुपये रही है। इससे पिछले वित्त वर्ष में यह आंकड़ा 12,060 करोड़ रुपये रहा था।

कंपनी ने इस वित्त वर्ष में 17,500 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियां बेचने का लक्ष्य रखा है और उसे यह लक्ष्य हासिल करने का पूरा भरोसा है।

सम्मान

रविवार को बेंगलूरु में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बेंगलूरु प्रेस क्लब में आयोजित एक समारोह में पत्रकारों को सम्मानित किया। साथ ही मंत्री केजे जॉर्ज, केएच मुनियप्पा, एमबी पाटिल, लक्ष्मी हेब्बालकर को 2024 प्रेस क्लब विशेष पुरस्कार प्रदान किया। इस मौके पर मंत्री केजे जॉर्ज, एमबी पाटिल, केएच मुनियप्पा, विधायक रिजवान अरशद, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव नजीर अहमद, मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार केवी प्रभाकर, कर्नाटक मीडिया अकादमी के अध्यक्ष आयशा खानम, प्रेस क्लब के अध्यक्ष आर श्रीधर, महासचिव शिवकुमार, अन्य पदाधिकारी एवं पुरस्कार विजेता उपस्थित थे।

कर्नाटक में शिवकुमार मुख्यमंत्री पद के लिए बेताब : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी में कथित अंदरूनी कलह पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा ने दावा किया है कि उपमुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार मुख्यमंत्री पद के लिए बेताब हैं, जबकि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या पद छोड़ने को तैयार नहीं हैं और उन्होंने रणनीतिक कदम उठाने शुरू कर दिए हैं।

बेंगलूरु में भाजपा मुख्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए राज्य भाजपा इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने शुक्रवार को कहा, शीतकालीन सत्र के दौरान सदन के पटल पर शिवकुमार ने उल्लेख किया कि पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत एसएम कृष्णा उनके राजनीतिक गुरु ने उन्हें सलाह दी थी कि यदि सत्ता नहीं सौंपी जाती है, तो इसे जब्त कर लिया जाना चाहिए। 15 साल बाद शिवकुमार को विधानसभा में वे शब्द याद आए। मेरा मानना है कि उनके बयान का अर्थ आपको (मीडिया) स्पष्ट है। उन्होंने कहा, हम सुन रहे हैं कि सत्ता-साझेदारी के फार्मूले के अनुसार सीएम सिद्दरामय्या का कार्यकाल समाप्त होने वाला है। इस पृष्ठभूमि में शिवकुमार बयान दे रहे हैं। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उनके उपमुख्यमंत्री शिवकुमार को सत्ता-साझेदारी समझौते को स्पष्ट करने की आवश्यकता है। हम जो जानते हैं, उसके अनुसार सिद्दरामय्या का कार्यकाल लगभग समाप्त हो चुका है। भाजपा नेता ने दावा किया कि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने अपनी चालें चलनी शुरू कर दी हैं।

विजयेंद्र ने दावा किया, उन्होंने अपने मंत्रिमंडल में विभिन्न मंत्रियों के माध्यम से 'डिनर पॉलिटिक्स' शुरू की है। इससे पहले मैंने बताया था कि सिद्दरामय्या ने एक मंत्री के आवास पर बैठक के लिए विधायकों और मंत्रियों को इकट्ठा करके अपनी रणनीति शुरू की है। विजयेंद्र ने कहा, आलाकमान के विरोध के बावजूद कर्नाटक में डिनर पॉलिटिक्स जारी रहेगी। शिवकुमार भी अपने गुरु की सलाह के अनुसार जबरन सत्ता पर दावा करने के अपने प्रयासों को तेज करेंगे। हम इस बात से अवगत हैं। कांग्रेस की आंतरिक दरार सामने आ गई है और राज्य के लोगों को और अधिक नाटक देखने की संभावना है।

कर्नाटक इकाई के भाजपा प्रमुख ने यह भी दावा किया कि एक संत ने कथित तौर पर शिवकुमार को सलाह दी है कि अगर उन्हें सत्ता नहीं मिलती है, तो उन्हें इसे छीन लेना चाहिए। उन्होंने कहा, दिन-प्रतिदिन कांग्रेस पार्टी में डिनर पॉलिटिक्स केंद्र में आती जा रही है। पीडब्ल्यूडी मंत्री सतीश जारकीहोली ने चुनिंदा विधायकों के लिए डिनर पार्टी का आयोजन किया और गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने विधायकों के लिए एक और डिनर पार्टी की योजना बनाई।

विजयेंद्र के अनुसार, इस सत्ता संघर्ष का राज्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। उन्होंने कहा, पिछले दो सालों में कोई विकास नहीं हुआ है। सिद्दरामय्या के सीएम बनने के बाद से कोई खास काम नहीं हुआ है। विधायक विकास परियोजनाओं के लिए धन जुटाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। सिद्दरामय्या विकास के लिए संसाधन आवंटित करने और गारंटियों को पूरा करने के बीच फंस गए हैं।

केरल में एक व्यक्ति ने पड़ोसी की हत्या के बाद की आत्महत्या

तिरुवनंतपुरम। तिरुवनंतपुरम के थंपानूर के एक लॉज में रविवार तड़के एक महिला और पुरुष मृत पाए गए। पुलिस ने बृहस्पतिवार ने यह जानकारी दी। दोनों ही शनिवार को लॉज में ठहरने आए थे और विलाप्पिलसाला के निवासी थे। उन्होंने बताया कि संदेह है कि कुमार (53) ने अपने पड़ोस में रहने वाली आशा (42) की हत्या करने के बाद खुदकुशी कर ली।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, पुरुष और महिला विलाप्पिलसाला में रह रहे थे। पुरुष ने अपनी कलाई काट ली थी और कमरे में फंदे से लटका हुआ पाया गया। महिला का शव पास में ही मिला। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच के अनुसार कुमार ने पहले आशा की हत्या की और फिर खुद भी आत्महत्या कर ली। अन्य विवरण विस्तृत जांच के बाद ही पता चल सकेंगे।

तमिलनाडु रेलवे परियोजना रद्द होने पर अन्नामलाई की तीखी प्रतिक्रिया, 20 को विरोध-प्रदर्शन का ऐलान

चेन्नई/मंगलूरु। तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष के अन्नामलाई ने शनिवार को मीडिया से बातचीत करते हुए केंद्रीय रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव के तमिलनाडु दौरे पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने तमिलनाडु सरकार द्वारा रेलवे परियोजना रद्द करने के फैसले पर गहरी निराशा व्यक्त की। इसके अलावा, उन्होंने हिंदी को राष्ट्रभाषा नहीं मानने पर रविचंद्रन अश्विन के बयान और दिल्ली विधानसभा चुनावों पर प्रतिक्रिया दी। अन्नामलाई ने बताया कि केंद्रीय रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने तमिलनाडु में मदुरै से तूतूकुड़ी तक 143.5 किलोमीटर लंबी रेलवे लाइन के निर्माण को आवश्यक बताया था, जो राज्य के दक्षिणी और केंद्रीय क्षेत्रों को जोड़ने के लिए महत्वपूर्ण है। जिसे तमिलनाडु सरकार ने इस परियोजना को रद्द कर दिया।

स्टालिन सरकार के इनकार पर रेलवे मंत्री ने अफसोस व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक प्रगति की ओर अग्रसर राज्य, जो 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य रखता है, इस तरह के निर्णय ले रहा है। प्रधानमंत्री मोदी का स्पष्ट संदेश है कि भारत को 2047 तक 50 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना है। लेकिन राज्य सरकार केंद्र सरकार से कह रही है कि हम आपको जमीन नहीं दे सकते। यह शर्मनाक है।

उन्होंने आगे कहा कि तमिलनाडु भाजपा इस मुद्दे पर 20 जनवरी को प्रदेश में विरोध-प्रदर्शन करेगी। हम उम्मीद करते हैं कि तमिलनाडु सरकार अपने फैसले पर पुनर्विचार करेगी।

लक्ष्य की प्राप्ति में युवा शक्ति की सबसे बड़ी भूमिका : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्वामी विवेकानंद को युवाओं के लिए सबसे बड़े प्रेरणा स्रोत बताते हुए युवाओं का आह्वान किया है कि उन्हें उनके संदेश को आत्मसात करते हुए राष्ट्र निर्माण में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दे और अपनी भीतर की शक्ति और क्षमता को पहचानकर अपने सपनों को पूरा करते हुए सफलता की नई उंचाईयों को छूएं। शर्मा रविवार को एसएमएस स्टेडियम में स्वामी विवेकानंद की जयंती पर आयोजित राज्य स्तरीय युवा महोत्सव के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद के उठो, जागो और तब तक मत रुको, जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए के संदेश को युवा आत्मसात करते हुए राष्ट्र निर्माण में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दें। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को हर क्षेत्र में प्रोत्साहित करने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार युवा प्रतिभाओं को महोत्सव में पुरस्कृत कर उन्हें प्रोत्साहित कर रही है ताकि वे आसमान में एक लम्बी उड़ान भरे। प्रदेश का हर युवा विकसित राजस्थान की दिशा में पूरी क्षमता के साथ काम करे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार चार जातियां-युवा, महिला, किसान और गरीब के उत्थान के लिए समर्पित होकर कार्य कर रही है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की अन्त्योदय की परिकल्पना को साकार करते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण के लिए संकल्पित है। उन्होंने कहा कि हम पांच साल में चार लाख सरकारी भर्ती और निजी क्षेत्र में छह लाख रोजगार के अवसर सृजित करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा हमारे समाज के सबसे बड़े स्तंभ हैं। हमारे युवा जिस देश और प्रदेश में गए हैं, उन्होंने मेहनत कर राजस्थान का नाम रोशन किया है। आज विश्वभर में प्रवासी राजस्थानियों को अपनी हुनर और प्रतिभा से जाना जाता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने कई देशों को प्रदेश में भाषाई संस्थान खोलने के लिए आमंत्रित किया है ताकि हमारी युवा प्रतिभाएं विदेशी भाषाओं में पारंगत होकर अधिक से अधिक रोजगार के अवसर प्राप्त कर सके। हम युवाओं की शैक्षणिक योग्यता के साथ ही, कौशलपरक योग्यता तथा अभिरूचि के संबंध में पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण भी करेंगे। शर्मा ने कहा कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के अन्तर्गत किए गए एमओयू के माध्यम से युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने गत एक वर्ष में युवाओं के कौशल विकास और उनके लिए रोजगार के अवसरों के सृजन के लिए कई महत्वपूर्ण पहल की है। राजकीय महाविद्यालयों में स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर नई शाखाओं की शुरुआत भी की गई है ताकि हमारे विद्यार्थियों को व्यावसायिक और उद्योग आधारित शिक्षा मिल सके। अटल इनोवेशन स्टूडियो एंड एक्सेलरेटर और एवीजीसी-एक्सआर पॉलिसी के तहत हमने युवाओं के लिए अवसरों के नए द्वार खोले हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 144 कैम्पस प्लेसमेंट शिविर आयोजित कर करीब 30 हजार युवाओं का चयन और करीब 10 हजार युवाओं को करियर के लिए मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने स्टार्टअप लॉन्चपैड भी स्थापित किए हैं, जिससे युवाओं को नए स्टार्टअप शुरू करने और अपनी नवाचार क्षमताओं को प्रदर्शित करने का अवसर मिल रहा है।

साथ ही एक साल में 900 से ज्यादा स्टार्टअप्स भी पंजीकृत हुए हैं। उन्होंने कहा कि राजकीय महाविद्यालयों में 30 प्रतिशत सीटें छात्राओं के लिए आरक्षित करने के साथ लघु, सीमांत, बटाईदार किसानों और खेतिहर श्रमिकों के बच्चों के लिए शुल्क माफ कर हम समावेशी विकास की परिकल्पना को साकार कर रहे हैं।

शर्मा ने कहा कि पेरिस पैरालिंपिक में प्रदेश के खिलाड़ियों ने स्वर्ण, कांस्य सहित तीन पदक जीतकर पूरे राज्य का सिर गर्व से ऊंचा किया। अब हम मिशन ओलिंपिक 2028 पर काम करते हुए 50 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार नई खेल नीति तैयार कर रही है जिसमें खेल के बुनियादी ढांचे के साथ विज्ञान, विश्लेषण, परामर्श और पोषण का समावेश होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण बालिकाओं की खेल प्रतिभा को निखारने के लिए राज्य सरकार जयपुर, भरतपुर और उदयपुर में आवासीय बालिका खेल संस्थान स्थापित करेंगी। साथ ही एक जिला-एक खेल योजना के तहत प्रत्येक जिले में प्रचलित खेलों की अकादमी भी स्थापित की जा रही है। हम ग्राम पंचायत स्तर पर खेल मैदान के निर्माण पर प्राथमिकता से कार्य कर रहे है। उन्होंने कहा कि कोच और खेल विशेषज्ञ तैयार करने के लिए शीघ्र ही महाराणा प्रताप खेल विश्वविद्यालय की स्थापना भी की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय युवा महोत्सव पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में जयपुर के प्रिंस तिवारी, तनु प्रजापत, धर्मा जाट, प्रिया राठौड़, यश गर्ग, अलवर के जयदीप पांचाल, झुंझुनूं की पूजा शर्मा एवं वंशिका शर्मा, नागौर के नितेश कुमार शर्मा, अजमेर की गौरी माहेश्वरी और भीलवाड़ा के युधिष्ठिर मीणा को यूथ आइकॉन अवॉर्ड से सम्मानित किया। पुरस्कार में एक लाख रूपये , प्रशस्ती पत्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान किए गए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने युवाओं से हाथ मिलाकर उनका उत्साहवर्धन भी किया।

महिला सशक्तिकरण के लिए बजट में तीन लाख करोड़ रूपए का प्रावधान : अन्नपूर्णा देवी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि केन्द्र सरकार ने देश में महिला सशक्ति करण एवं सुदृढीकरण के लिए बजट में 3 लाख करोड रूपए का प्रावधान किया है। राजस्थान के उदयपुर में केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय चिंतन शिविर के अंतिम दिन रविवार को श्रीमती अन्नपूर्णा देवी पत्रकारों से बातचीत में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने एवं आगे बढाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोच के क्रियान्वयन के लिए यह चिंतन शिविर आयोजित किया था। अन्नपूर्णा देवी ने बताया कि चिंतर शिविर में देश के 14 राज्यों के मंत्रियों तथा 32 राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों के प्रशासनिक अधिकारियों ने महिला एवं बाल विकास के अलग अलग स्तर पर परिचर्चा की। शिविर में सभी राज्यों के प्रतिनिधियों ने प्रस्ताव पारित किया कि महिला एवं बाल विकास में भारत सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए वह कृत संकल्पित है।

उन्होंने कहा कि चिंतन शिविर में सभी राज्यों के प्रतिनिधियों ने महिला एवं बाल विकास पर अपने यहां चलाई जाने वाली विभिन्न योजनाओं को समझा और एक दूसरे राज्यों द्वारा अपनाने का विचार किया।

उन्होंने अन्नपूर्णा देवी ने एक सवाल के उत्तर में बताया कि देश में 14 लाख से अधिक आंगनवाडी केन्द्र संचालित है तथा 11- 12 लाख सहायिका कार्यरत है। सभी आंगनवाडी कार्यकर्ताओं को विभाग द्वारा स्मार्ट फोन दिया गया है जिसका उपयोग अपने कामकाज में कर सकती है। उन्होंने आंगनवाडी कार्यकर्ताओं का मानदेय समय समय बढाया जाता है। इस अवसर पर केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर भी उपस्थित रही।

अज्ञात बीमारी से छह कुरजां की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। राजस्थान में जैसलमेर के देगराय ओरण के समीप छोडिया गांव की सरहद लुणेरी तालाब के पास अज्ञात बीमारी से छह डेमोसैल क्रेन बर्ड्स (कुरजां) की मौत हो गयी तथा दो गंभीर घायल अवस्था में मिले हैं। देगराय ओरण के कॉर्डिनेटर एवं वन्य जीव प्रेमी सुमेर सिंह भाटी सांवता ने इस घटना के संबंध में बताया कि देगराय ओरण के पास लुनेरी तालाब के किनारे शनिवार शाम को छह विदेशी पक्षी डेमोसाईल क्रेन (कुरजां) के शव मिलने एवं दो के गंभीर रूप से बीमार होने की जानकारी से सनसनी फैल गई हैं।

जानकारी मिलने पर सावंता मौके पर पहुंचे तथा उन्होंने वन विभाग को सूचना दी। इसके बाद वन विभाग एवं पशुपालन विभाग की टीमें मौके पर पहुंचकर जाँच पड़ताल शुरू कर दी। मृत डेमोसैल क्रेन के शवों को इकठ्ठा किया गया है। मौके पर आई वन विभाग और पशुपालन विभाग की टीम ने मृत कुरजां पक्षियों के शव एवं घायल पक्षियों को लेकर पशु अस्पताल गए। जहां बीमार पक्षियों का इलाज करवाएंगे वही मृत पक्षियों की जांच करेंगे ताकि मौत के कारणो की पुष्टि हो सके। उन्होने बताया कि वर्तमान में लाठी चांधण पोकरण क्षेत्र की कई नाड़ियो तालाबो पर दर्जनो की तादात में विदेशी पक्षियों ने डेरा डाल कर रखा हुआ हैं। खासकर इस क्षेत्र में कुरजां की संख्या काफी ज्यादा हैं।

गौरतलब है कि गत महीने में फलोदी जिले में बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई है। खासकर खीचन इलाके में मृत पाए गए डेमोसाइल क्रेन ;कुरजां की विसरा जांच में बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई है। विसरा के सैंपल 19 दिसंबर को भोपाल की हाई सिक्योरिटी एनीमल डिजीज लैब में भेजे गए थे जहां से आई रिपोर्ट में बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई। इसके बाद से पशुपालन विभाग और वन विभाग ने बर्ड फ्लू के प्रसार को रोकने के लिए तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी है।

राजस्थान के कुछ हिस्सों में बारिश, ओलावृष्टि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश हुई और कहीं कहीं ओलावृष्टि दर्ज की गई। जयपुर मौसम केन्द्र के अनुसार रविवार सुबह कुछ स्थानों पर मध्यम से घना कोहरा छाया रहा और कहीं कहीं पर शीत दिवस से अति शीत दिवस दर्ज किया गया। मौसम केन्द्र के प्रवक्ता ने बताया कि रविवार सुबह तक राज्य के चुरू जिले के सादुलपुर में सबसे अधिक 24 मिली मीटर बारिश दर्ज की गई। राज्य में जैसलमेर में सबसे कम न्यूनतम तापमान 6.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

उन्होंने बताया कि इस दौरान धौलपुर-पिलानी-उदयपुरवाटी में 20-20 मिली मीटर और जयपुर के शाहपुरा, सीकर के नीम का थाना, धौलपुर के राजाखेडा, बारां के शाहबाद, झुंझुनू के मलसीर, सीकर के श्रीमाधोपुर, दातांरामगढ, सीकर, नागौर के परबतसर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ सहित अनेक स्थानों पर 10-10 मिमी बारिश दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि रविवार सुबह अलवर में न्यूनतम तापमान 6.8 डिग्री, पाली के ऐरनपुरा में 7.2 डिग्री, अजमेर में 7.7 डिग्री नागौर में 8.8 डिग्री, जालौर में 8.9 डिग्री, बाडमेर में 9 डिग्री राजधानी जयपुर में 10 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं राज्य के अधिकांश प्रमुख शहरों में शनिवार को अधिकतम तापमान 10.4 डिग्री सेल्सियस से लेकर में 27.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने 15 जनवरी से एक और नया मौसम तंत्र विकसित होने की संभावना जताई है, जिसके प्रभाव से उदयपुर, कोटा के अलावा जयपुर संभाग के कुछ हिस्सों में बादल छाने और कहीं-कहीं बारिश होने का पूर्वानुमान है।

राजस्थानी लोक धुनों पर थिरके ऊंट, हैरतअंगेज करतबों से पर्यटकों का ध्यान आकर्षित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। अंतर्राष्ट्रीय ऊंट उत्सव में रेगिस्तान के जहाज ऊंट के करतब देसी-विदेशी सैलानियों के आकर्षण का मुख्य केंद्र रहे। कार्यक्रमों की शृंखला में एनआरसीसी परिसर में ऊंटों की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इनमें ऊंट नृत्य, ऊंट दौड़, साज सज्जा, फर कटिंग सहित अन्य रोमांचक प्रतियोगिताओं का सैलानियों ने लुत्फ उठाया।

राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केंद्र परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में देसी-विदेशी सैलानी पहुंचे। राजस्थानी लोक धुन पर ऊंटों ने ऊंची छलांगों और नृत्य के साथ सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। पारंपरिक ऊंट सज्जा, फर कटिंग की कलाओं को भी सैलानियों ने खूब सराहा।

परिसर में हर तरफ सजे-धजे ऊंटों की चमक हर किसी को बरबस ही अपनी और खींच रही थी। यहां पहुंचे लोग ऊंटों की सवारी करने के साथ-साथ सेल्फी लेते भी नजर आए। फ्रांस से यहां पहुंचे एक पर्यटक ने बताया कि वे पहली बार भारत आए हैं और ऊंट उत्सव को लेकर वे बेहद रोमांचित हैं। मेले में राजस्थान की रंग-बिरंगी संस्कृति को देखकर उत्साहित होते हुए उन्होंने कहा कि ऊंटों के शरीर पर फर कटिंग आज से पहले उन्होंने कभी भी नहीं देखी। वहीं ऊंट फर कटिंग में हिस्सा ले रहे पशुपालक ने बताया कि वे इस प्रतियोगिता के लिए महीनों से तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि ऊंट के शरीर के फर कतरन का काम बेहद जटिल है। हमने अपने ऊंट पर हनुमान जी, तेजा जी, गाय और महादेव के चित्र उकेरे हैं। इन प्रतियोगिताओं के बाद डॉ. करणी सिंह स्टेडियम में देर रात तक उत्सव का माहौल देखने लायक था। महोत्सव की शुरुआत मिस मरवण, मिस्टर बीकाणा और ढोला-मरवण जैसी लोकप्रिय और अद्भुत प्रतियोगिताओं से हुई। राजस्थान की परंपरा और संस्कृति को दर्शाने वाली इन प्रतियोगिताओं ने न केवल स्थानीय दर्शकों, बल्कि देश-विदेश से आए पर्यटकों का दिल जीत लिया।

विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता बढ़ाने के लिए हो कार्य : बागड़े

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने विद्यार्थी की शारीरिक, बौद्धिक तथा भावात्मक शक्तियों का विकास करने वाली शिक्षा को सार्थक बताते हुए कहा है कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को रोजगार योग्य बनाने की बजाय रोजगार देने वाले राष्ट्र निर्माता बनाए। बागड़े रविवार को विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने स्वामी विवेकानन्द को स्मरण करते हुए उनके आदर्श अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को विभिन्न विषयों में डिग्रियां और पदक प्रदान किए और नई शिक्षा नीति के आलोक में विश्वविद्यालयों को ऐसे व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का निर्माण करने पर जोर दिया जिनसे विद्यार्थी अध्ययन के समय ही अपनी रूचि के व्यावसायिक कौशल में दक्ष हो सके। राज्यपाल ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने शिक्षा को सदैव मनुष्य निर्माण और मनुष्य के चरित्र निर्माण का माध्यम माना। उनका विश्वास था कि शिक्षा का उद्देश्य केवल जानकारी प्रदान करना नहीं, बल्कि व्यक्तित्व का समग्र विकास करना है। उन्होंने विश्वविद्यालयों में अच्छे संस्कार और चरित्र निर्माण के लिए कार्य किए जाने पर जोर दिया।

आरंभ में विश्वविद्यालय के चेयरपर्सन डा. ललित के पंवार और वाइस चेयरपर्सन डा. के. आर बगड़ियाने विश्वविद्यालय के तहत किए जा रहे शैक्षिक कार्यों और नई शिक्षा नीति के अंतर्गत नवाचारों के बारे में जानकारी दी।

30 करोड़ रुपये की साइबर धोखाधड़ी मामले में 30 लोग गिरफ्तार, दो नाबालिग हिरासत में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। षराजस्थान के जयपुर में पुलिस ने 30 करोड़ रुपये की कथित साइबर धोखाधड़ी के मामले में शनिवार को 10 स्थानों पर छापेमारी कर 30 लोगों को गिरफ्तार किया और दो नाबालिगों को हिरासत में लिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि धोखाधड़ी से जुड़े 130 बैंक खातों से लेनदेन पर रोक दी गयी है। जयपुर के पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसेफ ने बताया कि डिजिटल धोखाधड़ी की गतिविधियों के बारे में मिली सूचना के आधार पर अभियान की योजना बनाकर एक संयुक्त टीम बनाई गई।

जोसेफ ने बताया कि टीम ने बिंदायका, कालवाड़ और हरमाड़ा इलाकों में छापेमारी की और कंप्यूटर, लैपटॉप, एटीएम कार्ड, चेक बुक, पासबुक तथा अन्य सामान जब्त किया। उन्होंने बताया, धोखाधड़ी में शामिल 30 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और दो नाबालिगों को हिरासत में लिया गया है। अधिकारी ने बताया कि जांच अभी शुरूआती चरण में है और आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

कांग्रेस ने डॉ. अम्बेडकर का अपमान करने का काम किया है : अग्रवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश प्रभारी डा.राधा मोहन दास अग्रवाल ने भारत रत्न और संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर का कांग्रेस द्वारा अपमान करने के मामले में पलटवार करते हुए कहा है कि कांग्रेस और कांग्रेसी नेताओं ने सरदार की हत्या करने के साथ ही बाबा साहब, डॉ. भीम राव अम्बेडकर का अपमान करने का कार्य किया है।

डा.अग्रवाल ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि 1952-54 के चुनाव में कांग्रेस ने बाबा साहब को हराने के लिए कम्युनिस्टों के साथ मिलकर रणनीति बनाई थी। इतना ही नहीं नेहरू सरकार में मंत्री रहते हुए भी डॉ. अम्बेडकर को रक्षा और विदेश मामलों की प्रमुख समितियों से बाहर रख कर उनके ज्ञान और योगदान को पूरी तरह नजरअंदाज किया गया। ऐसे में भाजपा देश भर में शनिवार से संविधान गौरव अभियान के माध्यम से कांग्रेसियो की हकीकत जनता के सामने रखेगी। उन्होंने कहा कि संविधान गौरव अभियान के तहत भाजपा के प्रदेश पदाधिकारियो से लेकर जिला अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, मोर्चा, प्रकोष्ठ और विभाग सहित प्रत्येक कार्यकर्ता कांग्रेस की कुनीतियों को जनता के सामने रखेंगे और भाजपा द्वारा डॉ. अम्बेडकर के सम्मान में किये गये कार्यो को भी विस्तार से बताएंगे। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि एक ओर कांग्रेसी नेता हैं जिन्होंने कदम-कदम पर बाबा साहब का और दलितों का अपमान किया वहीं दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी है जिसने बाबा साहब के न्याय, सम्मानता और सशक्तीकरण की दिशा में की गई परिकल्पना को साकार करने का काम किया।

स्वामी विवेकानंद ने सनातन वैदिक संस्कृति को वैश्विक स्तर पर दिया बढ़ावा : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को भारत के औपनिवेशिक काल के दौरान सनातन वैदिक संस्कृति को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने के लिए स्वामी विवेकानंद की सराहना की और उनकी प्रतिमा का अनावरण किया।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय युवा दिवस पर सरस्वती शिशु मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में विवेकानंद की प्रतिमा का अनावरण करते हुए इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे युवा भिक्षु ने अपने साहसिक विचारों और कार्यों के माध्यम से राष्ट्रीय चेतना को जागृत किया। उन्होंने बताया, औपनिवेशिक शासन के दौरान भी स्वामी विवेकानंद ने कहा कि गर्व से कहो, हम हिंदू हैं। यह सनातन मूल्यों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

शिकागो शिखर सम्मेलन में विवेकानंद के प्रभावशाली भाषण को याद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कैसे दुनिया भारत की प्राचीन परंपराओं की उनकी अभिव्यक्ति से मोहित हो गई थी। उन्होंने कहा, स्वामी जी ने सिखाया कि हमारा सबसे पहला कर्तव्य राष्ट्रधर्म है। यह राष्ट्रीय कर्तव्य है। आदित्यनाथ ने

भारत के स्वतंत्रता आंदोलन को प्रेरित करने के लिए विवेकानंद के विचारों को श्रेय दिया और संस्थानों के विशाल नेटवर्क के माध्यम से विवेकानंद की शिक्षा को संरक्षित करने के लिए सरस्वती शिशु मंदिरों की प्रशंसा की। मुख्यमंत्री ने कहा, चुनौतियां हमसे प्रयास की मांग करती हैं और जीत दृढ़ता से मिलती है। विवेकानंद के आदर्शों से प्रेरित होकर भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में विकसित हो रहा है। स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के तहत दो करोड़ युवाओं को अपने कौशल को बढ़ाने के लिए टैबलेट और स्मार्टफोन मिल रहे हैं। उन्होंने राष्ट्रीय गौरव की भावना जगाने के लिए गोरखपुर में सरस्वती शिशु मंदिर की स्थापना में नानाजी देशमुख की भूमिका की भी सराहना की। उन्होंने देशमुख के नाम पर एक पार्क की आधारशिला रखे जाने का उल्लेख किया। कार्यक्रम में दो हस्तलिखित पत्रिकाओं का विमोचन और देवी दुर्गा पर एक नृत्य नाटिका का प्रदर्शन किया गया।

उत्तरप्रदेश सरकार ने 'हेलमेट नहीं तो तेल नहीं' की नीति प्रस्तावित की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग ने दोपहिया वाहनों से होने वाली दुर्घटनाओं और मौतों की घटनाओं में कमी लाने के प्रयास के तहत राज्य भर में ''हेलमेट नहीं तो तेल नहीं'' की नीति प्रस्तावित की है।

परिवहन आयुक्त ब्रजेश नारायण सिंह ने गत आठ जनवरी को एक आधिकारिक पत्र जारी कर पेट्रोल पंप संचालकों को निर्देश दिया कि वे हेलमेट लगाए बगैर पेट्रोल खरीदने के लिए आने वाले लोगों को तेल न दें। राज्य के सभी 75 जिलों के जिलाधिकारियों और संभागीय परिवहन आयुक्तों को भेजे गए पत्र में इस निर्देश को तत्काल लागू करने पर जोर दिया गया है। इस पत्र में डेटा का हवाला दिया गया है जो दर्शाता है कि दोपहिया वाहन दुर्घटना के शिकार लोगों में बड़ी संख्या ऐसे लोगों की होती है जिन्होंने घटना के समय हेलमेट नहीं लगा रखा होता। इसमें राज्य में सड़क सुरक्षा उपायों की समीक्षा के दौरान इस महीने की शुरुआत में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा जारी किए गए निर्देशों पर भी प्रकाश डाला गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा था कि राज्य में हर साल सड़क हादसों में 25-26 हजार लोग मारे जाते हैं। पत्र में कहा गया है, दोपहिया वाहन सवारों की सड़क दुर्घटनाओं में ज्यादातर मौतें हेलमेट न पहनने के कारण होती हैं। इस नीति का उद्देश्य लोगों की जान बचाना और सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करना है। सिंह ने कहा कि यह पहल 2019 में गौतमबुद्ध नगर जिले में पहले भी शुरू की गई थी, लेकिन इसे व्यापक रूप से लागू नहीं किया गया था। उन्होंने कहा कि नए निर्देश में राज्य के सभी जिलों में नियम को सख्ती से लागू करने का लक्ष्य रखा गया है। परिवहन आयुक्त ने इस नीति का प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए कदम भी सुझाए हैं। पत्र में कहा गया है, ईंधन स्टेशन संचालकों को मोटर वाहन अधिनियम, 1988 और उत्तर प्रदेश मोटर वाहन नियम, 1998 के प्रासंगिक प्रावधानों के बारे में शिक्षित किया जाना चाहिए। इस नीति की सफलता के लिए पुलिस और क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों (आरटीओ) के साथ नियमित समन्वय आवश्यक है।

सिंह ने पेट्रोल पंपों पर सुरक्षा संकेत लगाने की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि जागरूकता बढ़ाने के लिए ''हेलमेट नहीं, ईंधन नहीं'' प्रदर्शित करने वाले बोर्ड लगाए जाने चाहिए। उन्होंने कहा, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का उपयोग करके जागरूकता अभियान बड़े पैमाने पर चलाए जाने चाहिए। इन अभियानों में हेलमेट को जीवनरक्षक उपकरण के रूप में पहनने के महत्व पर जोर दिया जाना चाहिए, न कि केवल कानूनी आवश्यकता के रूप में। नीति का पालन सुनिश्चित करने के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों और प्रशासनिक अधिकारियों को समय-समय पर समीक्षा करने के लिए कहा गया है। पत्र में ईंधन स्टेशन संचालकों से हेलमेट के इस्तेमाल को बढ़ावा देने में सहायता करने का भी आग्रह किया गया है।

स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित किया: राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को स्वामी विवेकानंद की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी और कहा कि उन्होंने युवाओं को राष्ट्र निर्माण व मानवता की सेवा के लिए प्रेरित किया। मुर्मू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उनकी विरासत दुनिया भर में अनगिनत लोगों को प्रेरित करती रही है। स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 को हुआ था। राष्ट्रपति ने कहा, मैं स्वामी विवेकानंद की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि देती हूं। स्वामीजी भारत के महान आध्यात्मिक संदेश को पश्चिमी दुनिया तक ले गए। उन्होंने भारत के लोगों में एक नया आत्मविश्वास भरा। मुर्मू कहा कि उन्होंने युवाओं को अपनी पूरी क्षमता का उपयोग करने, राष्ट्र निर्माण की दिशा में काम करने और मानवता की सेवा करने के लिए प्रेरित किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने स्वामी विवेकानंद की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को स्वामी विवेकानंद की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि वर्तमान केंद्र सरकार एक मजबूत और विकसित भारत के उनके दृष्टिकोण को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। मोदी ने कहा, स्वामी विवेकानंद की जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। वह युवाओं के लिए एक शाश्वत प्रेरणा हैं और आज भी युवा मन में जुनून और उद्देश्य की भावना प्रज्वलित करते हैं। हम एक मजबूत और विकसित भारत के उनके दृष्टिकोण को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 को कोलकाता में हुआ था। उनके जन्मदिन को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। प्रधानमंत्री मोदी आज 'विकसित भारत युवा नेता संवाद 2025' कार्यक्रम में भाग लेंगे। वह 30 लाख से अधिक प्रतिभागियों में से योग्यता-आधारित, बहु-स्तरीय चयन प्रक्रिया के माध्यम से चुने गए 3,000 युवाओं के साथ संवाद करेंगे।

भाजपा अपने संगठन में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने में जुटी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपने संगठनात्मक ढांचे में बूथ से लेकर विभिन्न स्तरों पर अपनी निवर्तमान समितियों की तुलना में महिलाओं को अधिक प्रतिनिधित्व दे सकती है। महिलाओं के लिए लोकसभा और विधानसभाओं में एक तिहाई सीट आरक्षित करने वाले नारी शक्ति वंदन अधिनियम के कार्यान्वयन की तैयारी के मद्देनजर भाजपा यह बदलाव करने जा रही है। सूत्रों ने कहा कि मध्यप्रदेश जैसे राज्य में भाजपा के 62 संगठनात्मक जिलों में कम से कम सात से आठ महिला जिला अध्यक्ष हो सकती हैं। वर्तमान में इन जिलों में एक भी महिला जिला अध्यक्ष नहीं है।

इसी तैयारी के मद्देनजर भाजपा ने हाल ही में बिहार में अपने राष्ट्रव्यापी संगठनात्मक चुनाव के दौरान दो महिला जिला अध्यक्षों को नियुक्त किया है। पार्टी सूत्रों ने कहा कि उनके राष्ट्रीय नेतृत्व का मानना है कि महिला नेताओं की एक पीढ़ी को नीचे से तैयार करना आवश्यक है ताकि लोकसभा और विधानसभा की एक तिहाई सीट आरक्षित करने का कानून लागू होने पर सक्षम उम्मीदवारों की कमी कहीं बाधा न बन जाए। इस संबंध में एक सूत्र ने कहा, वास्तविक महिला विकल्पों के

अभाव में, प्रमुख पुरुष नेता कोटा भरने के लिए अपने परिवारों से जुड़ी महिलाओं को आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे, इसलिए हमारे लिए संदेश यह है कि हमें बूथ से ऊपर हर स्तर पर महिला नेताओं को तैयार करें।

उन्होंने कहा कि पार्टी के भीतर भाजपा का आदर्श प्रदेश संगठन माने जाने वाले मध्यप्रदेश में अधिकतर स्थानों पर 11 सदस्यीय बूथ समितियों में कम से कम तीन महिलाओं को शामिल करने के लिए प्रयास किए गए हैं। सूत्रों ने कहा कि इसी तरह, पार्टी अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और पिछड़ों को पर्याप्त संख्या में शामिल करके अपने संगठन में महिलाओं को अधिक प्रतिनिधित्व देने की कवायद में जुटी हुई है। पार्टी सूत्रों ने कहा कि संगठनात्मक ढांचे की बुनियादी इकाइयों, जैसे मंडल और जिला इकाइयों में सबसे अधिक प्रतिस्पर्धा है। उनके मुताबिक, पारंपरिक रूप से पुरुष-प्रधान स्थानीय राजनीति में महिलाओं को नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि यह हर पार्टी के लिए सच है, क्योंकि मजबूत स्थानीय नेता अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ाने के लिए उन क्षेत्रों को नियंत्रित करना चाहते हैं जहां से वे आते हैं। भाजपा में इन दिनों नए राष्ट्रीय अध्यक्ष को चुनने के लिए संगठनात्मक चुनाव प्रक्रिया जारी है। नया अध्यक्ष जे पी नड्डा की जगह लेगा। वह 2020 से अध्यक्ष पद पर हैं और वर्तमान में केंद्रीय मंत्री भी हैं। नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की औपचारिक प्रक्रिया तब शुरू होगी जब कम से कम आधे राज्यों में संगठनात्मक चुनाव संपन्न हो जाएंगे।

मणिपुर के चुराचांदपुर और तेंगनौपाल जिले से हथियार, विस्फोटक बरामद

इंफाल/भाषा। मणिपुर के चुराचांदपुर और तेंगनौपाल जिले में तलाश अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने सात आग्नेयास्त्र और विस्फोटक बरामद किया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि चुराचांदपुर पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ओल्ड गेलमोल गांव में तलाशी अभियान के दौरान एक एके-56 राइफल समेत सात हथियार और चीन निर्मित एक हथगोला बरामद किया गया।

सुरक्षा बलों ने तेंगनौपाल में मोरे पुलिस थाने के अंतर्गत आने वाले गोवाजंग क्षेत्र में भी तलाश अभियान शुरू किया और लगभग एक किलोग्राम के दो आईईडी (इंप्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) तथा लगभग पांच किलोग्राम का एक एक आईईडी बरामद किया।

ओडिशा के मलकानगिरी में हथियार और गोला-बारूद जब्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मलकानगिरी (ओडिशा)/भाषा। ओडिशा के मलकानगिरी जिले के घने जंगल में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

मलकानगिरी के पुलिस अधीक्षक (एसपी) विनोद शर्मा ने बताया कि शनिवार को एमवी-79 पुलिस थाने के अंतर्गत आने वाले जिनेलगुडा वन क्षेत्र में 'डिस्ट्रिक्ट वॉलंटरी फोर्स (डीवीएफ)' के जवानों द्वारा शुरू किए गए तलाशी अभियान के दौरान हथियारों का यह जखीरा बरामद किया गया।

एसपी ने बताया कि जब्त की गई वस्तुओं में एक सेल्फ-लोडिंग राइफल, दो मैगजीन सहित कई अन्य हथियार और गोला बारूद शामिल हैं।

शर्मा ने बताया कि उन्हें संदेह है कि इलाके में शिविर लगाने वाले उग्रवादी तलाशी अभियान के बाद सामान छोड़कर भाग गए। उन्होंने बताया, जब्त किए गए हथियार और गोलाबारूद एओबीएसजेडसी (आंध्र-ओडिशा सीमा विशेष क्षेत्रीय समिति) के माओवादी कैडर के हैं और इनका उद्देश्य नागरिकों और सुरक्षा बलों को निशाना बनाना था।

कन्नौज रेलवे स्टेशन हादसा : करीब 16 घंटे तक चला राहत-बचाव अभियान, कोई हताहत नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कन्नौज/भाषा। उत्तर प्रदेश के कन्नौज में रेलवे स्टेशन पर निर्माणाधीन इमारत का लिंटर ढहने से हुए हादसे के बाद राहत एवं बचाव कार्य करीब 16 घंटे तक चला और इस अभियान में जुटी टीमें रविवार सुबह वापस लौट गईं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार शनिवार को अमृत भारत योजना के तहत कन्नौज रेलवे स्टेशन पर निर्माणाधीन दो मंजिला इमारत का लिंटर ढहने से मलबे में 20 से अधिक मजदूर दब गए। हालांकि, हादसे में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

पुलिस ने कहा कि करीब 16 घंटे तक चले राहत एवं बचाव

अभियान में 28 मजदूरों को मलबे से निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया गया। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीम, राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीम और रेलवे की टीम शनिवार को रात भर बचाव अभियान में जुटी रही और पूरे मलबे को हटाया।

रेलवे के अधिकारियों ने बताया कि मलबा हटाने के बाद कोई भी मजदूर दबा नहीं मिला जिसके बाद बचाव अभियान रविवार सुबह बंद कर दिया गया और इस कार्य में जुटी टीमें वापस चली गईं। रेलवे के अधिकारी अभियान के दौरान रात भर घटनास्थल पर मौजूद रहे।

कन्नौज के जिलाधिकारी शुभ्रांत कुमार शुक्ल ने सुबह रेलवे स्टेशन पर पहुंच कर फिर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने इस हादसे में जनहानि नहीं होने पर संतोष भी जताया।

शुक्ल ने बताया कि 16 घायलों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है जबकि अन्य घायलों का इलाज चल रहा है। उन्होंने बताया कि रेलवे गंभीर रूप से घायल हुए मजदूरों को ढाई-ढाई लाख रुपए एवं सामान्य रूप से घायल हुए लोगों को 50-50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता देगी।

कन्नौज रेलवे स्टेशन पर लिंटर ढहने की घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है जिसमें साफ दिख रहा है कि नीचे मजदूर निर्माण कार्य में जुटे हुए हैं और फिर एक मजदूर अपने हाथ में एक बल्ली लेकर छत के नीचे पहुंचा। उसने बल्ली से शटरिंग को ठीक करने की कोशिश की जिससे बल्ली शटरिंग के आपस में टकराने से शटरिंग खिसक गई और शटरिंग के साथ ही लिंटर ढह गया। लिंटर गिरते ही पूरे स्टेशन परिसर में धुंध सी छा गई। थोड़ी देर तक लोग समझ ही नहीं पाए कि आखिर क्या हुआ। हालांकि, आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत पहुंच कर कोशिश की लेकिन मलबा ज्यादा होने से लोग कामयाब नहीं हो पाए। तब रेलवे के अधिकारियों ने मोर्चा संभाला और बचाव टीम तुरंत पहुंच गई और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया।

कन्नौज हादसे का संज्ञान लेते हुए पूर्वोत्तर रेलवे ने घटना की जांच के लिए तीन सदस्यीय एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है और घटना में मामूली रूप से घायल हुए मजदूरों को 50-50 हजार रुपए जबकि गंभीर रूप से घायल हुए मजदूरों को ढाई-ढाई लाख रुपए देने की घोषणा की है।

धर्म से ज्यादा देश के लोगों को रोटी की जरूरत : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को स्वामी विवेकानंद के हवाले से कहा कि स्वामी जी ने धर्म से ज्यादा देश के लोगों को रोटी की जरूरत पर बल दिया था। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने स्वामी विवेकानंद की जयंती राष्ट्रीय युवा दिवस के मौके पर पार्टी के प्रदेश मुख्यालय स्थित सभागार में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था कि धर्म से ज्यादा देश के लोगों को रोटी की जरूरत है। जो गरीब है उनको धार्मिक बातें समझाना आज के समय में गलत होगा।

एक सवाल के जवाब में यादव ने कहा कि मिल्कीपुर विधानसभा उप चुनाव की पूरी तैयारी है, अयोध्या का चुनाव भाजपा फिर एक बार हारेगी और मीडिया तक कह रहा है कि समीकरण समाजवादी पार्टी के पक्ष में हैं। उन्होंने हाल में हुए उपचुनाव में सत्तारूढ़ दल पर 'बेईमानी' का आरोप लगाया और दावा किया कि मिल्कीपुर का चुनाव जनता समाजवादियों को जिताने जा रही है, बस आपसे (मीडिया से) निवेदन है आप हमारी तारीफ न करें। निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को घोषणा की कि मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव पांच फरवरी को होंगे, जबकि मतगणना आठ फरवरी को होगी।

इससे पूर्व, राज्य की नौ विधानसभा सीट पर नवंबर, 2024 में उपचुनाव हुए थे जिसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और इसकी सहयोगी राष्ट्रीय लोकदल (रालोद)ने सात सीट जीती थीं, जबकि सपा के खाते में केवल दो सीट आई थीं। सपा नेता अवधेश प्रसाद के 2024 में लोकसभा सदस्य चुने जाने से मिल्कीपुर विधानसभा सीट खाली हुई। वर्ष 2022 में अवधेश प्रसाद ने मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर जीत हासिल की थी। यादव ने राष्ट्रीय युवा दिवस के मौके पर स्वामी विवेकानंद को याद करते हुए कहा कि स्वामी जी रामकृष्ण परमहंस के शिष्य बनकर भारत का परिचय पूरी दुनिया में सबसे पहले दिया। उस समय कोई संत, कोई गुरु भारत का वह परिचय नहीं दे सकता था जो विवेकानंद ने दिया। सपा नेता ने कहा आज के युवा को विवेकानंद की बातों को समझने की जरूरत है। स्वामी विवेकानंद के बारे में जानना, उनके बारे में पढ़ना और उनकी कही हुई बातों को अपने जीवन में लागू करना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। महाकुंभ में जाने के सवाल पर यादव ने कहा में हमेशा कुंभ गया हूं और आप कहो तो वह तस्वीर भी साझा कर सकता हूं, जब मैंने समय-समय पर गंगा में स्नान किया है। कम से कम वह भी तस्वीरें साझा करें जो दूसरों को कह रहे हैं कि गंगा में नहाओ।

एक साथ चुनाव: निर्वाचन आयोग ने समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए आचार संहिता को महत्वपूर्ण बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश में एक साथ चुनाव कराने के लिए सरकार द्वारा दिया गया एक प्रमुख कारण यह है कि बार-बार आचार संहिता लागू होने से विकास कार्य और सामान्य जन-जीवन बाधित होता है, लेकिन निर्वाचन आयोग ने कहा है कि यह एक महत्वपूर्ण साधन है जिसका उद्देश्य चुनावों में समान अवसर प्रदान करना है।

'एक देश, एक चुनाव' को लागू करने के लिए सरकार द्वारा लाए गए विधेयकों के अनुसार, विभिन्न कारणों से एक साथ चुनाव कराने की आवश्यकता है, जिसमें चुनावों का

महंगा होना और समय लगना भी शामिल है। 'एक देश, एक चुनाव' को लागू करने के लिए संविधान संशोधन विधेयक में कहा गया है कि देश के चुनावी राज्यों में आदर्श आचार संहिता लागू होने से समूचे विकास कार्यक्रम रुक जाते हैं और सामान्य जन जीवन में व्यवधान उत्पन्न होता है। इसमें कहा गया है कि बार-बार चुनाव आचार संहिता लागू होने से सेवाओं का कामकाज प्रभावित होता है और कर्मचारियों को काफी समय तक उनके मूल काम से हटाकर चुनाव ड्यूटी में लगाना पड़ता है। चुनाव अधिकारियों का हालांकि मानना है कि आदर्श आचार संहिता के अनुप्रयोग को व्यवधान के रूप में देखना सही नहीं होगा, क्योंकि यह एक महत्वपूर्ण साधन है जिसका उद्देश्य चुनाव प्रचार में शामिल सभी हितधारकों को समान अवसर प्रदान करना है। मार्च 2023 में विधि आयोग द्वारा एक साथ चुनाव कराने के संबंध में पूछी गई प्रश्नावली के जवाब में निर्वाचन आयोग ने कहा था कि आदर्श आचार संहिता की प्रयोज्यता चुनावों के चक्र और आवृत्ति पर निर्भर करती है तथा इसे युक्तिसंगत बनाने से आदर्श आचार संहिता का समय कम हो जाएगा। उसने कहा, निर्वाचन आयोग ने राजनीतिक दलों के परामर्श से एक स्वैच्छिक आचार संहिता के रूप में इसे तैयार किया है, जिसका सभी हितधारकों द्वारा पालन किया जाना चाहिए और यह स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव कराने तथा विश्वसनीय परिणाम प्राप्त करने के लिए एक अभिन्न अंग है।

सुविचार

अगर किसी सफेद कपड़े में छोटा सा भी दाग लग जाए, वो दाग देखेने में बहुत बुरा लगता है। इसी प्रकार किसी साधु का छोटे से छोटा दोष भी बहुत बड़ा प्रतीत होता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

काम के घंटे और गुणवत्ता

'काम के घंटों' को लेकर छिड़ी बहस के बीच कुछ महत्त्वपूर्ण प्रश्न उभरे हैं, जिन पर बात होनी चाहिए। हमारे देश में कर्म को पूजा कहा गया है। अगर इस आध्यात्मिक पहलू को ध्यान में रखकर काम के घंटों पर विचार करें तो हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हर मंदिर में भगवान को भोग अर्पित करने और उन्हें विश्राम कराने का समय निर्धारित होता है। 'भक्त' को भी विश्राम की जरूरत होती है, ताकि अगले दिन नई ऊर्जा और प्रसन्नता के साथ 'भक्ति' कर सके। काम के घंटों के साथ उसकी गुणवत्ता बहुत मायने रखती है। महानगरीय पृष्ठभूमि के लोगों को शायद न पता हो, लेकिन ग्रामीण पृष्ठभूमि के लोग इस बात से खूब परिचित होंगे कि खेतों में साथ मिलकर काम करने, वातावरण को खुशनुमा बनाकर रखने और निर्धारित लक्ष्य को समय से पहले हासिल करने की लगन रखने से काम बहुत जल्दी पूरा हो जाता है। राजस्थान में बाजरे की कटाई के दौरान एक पुरानी व्यवस्था के तहत परिचित लोग (प्राय: एक-दो दर्जन) सुबह जुटते हैं और पूरे जोश के साथ कटाई शुरू कर देते हैं। उनके सामने लक्ष्य होता है कि आज दिन ढलने से पहले ही काम पूरा करके रहेंगे। खेत के मालिक की ओर से उन्हें खीर-जलेबी, सब्जी-पूड़ी आदि का भोजन प्रस्तुत किया जाता है। जैसे-जैसे शाम नजदीक आती है, उन लोगों का जोश बढ़ता जाता है, थकान का कहीं नामो-निशान नहीं होता। माहौल में गीत और भजन गूंजते रहते हैं। हंसी-मजाक का दौर चलता रहता है। देखते ही देखते फसल कट जाती है। इसी तरह कुछ दिन बाद किसी और किसान के यहां फसल की कटाई होती है। यह व्यवस्था पूरी तरह एक-दूसरे के लिए सहयोग की भावना पर आधारित होती है। सोचिए, अगर इन लोगों पर यह शर्त थोप दी जाए कि 'कम से कम 12 घंटे काम करना है, सिर्फ काम पर ध्यान देना है, किसी से कोई बातचीत नहीं, कोई गीत-भजन नहीं, कोई हंसी-मजाक नहीं, कोई खीर-जलेबी नहीं', तो उत्पादकता कितनी होगी, गुणवत्ता कैसी रहेगी?

उस सूरत में लोग खुद को किसी बंधक की तरह महसूस करने लगेंगे और अगली बार वहां जाने से ही तौबा कर लेंगे। यह सच्चाई है। कार्यस्थल के माहौल, शर्तों और सुविधाओं का लोगों पर गहरा प्रभाव होता है। यह स्पष्ट रूप से नतीजे में झलकता है। इससे इन्कार नहीं किया जा सकता कि हर व्यक्ति को अपने कार्यस्थल पर ईमानदारी से मेहनत करनी चाहिए, आज का काम कल पर नहीं टालना चाहिए, अपनी ओर से सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करनी चाहिए। वहीं, नियोक्ता का भी कर्तव्य है कि वह अपने कर्मचारियों को बहुत अच्छा माहौल दे, उनकी सुविधाओं का ध्यान रखे, कर्मचारियों का उत्साह बढ़ाते हुए ऐसी नीतियां लागू करे, जिनसे नतीजे बेहतर आएं। लोगों को काम के घंटों में आनंद आना चाहिए, न कि वह उन्हें किसी सज़ा की तरह महसूस होना चाहिए। काम के अधिक घंटों के पक्ष में चीन और जापान जैसे देशों के उदाहरण दिए जाते हैं। बेशक ये देश आर्थिक दृष्टि से बहुत संपन्न हो गए हैं, लेकिन यह संपन्नता इन्होंने जिस तरह हासिल की है, उसके नतीजों पर चर्चा होनी चाहिए। हर साल जापान में कई लोग अपने दफ्तरों में ही दम तोड़ देते हैं, जिसे वहां 'कारोशी' कहा जाता है। इसका मतलब होता है- 'काम के दबाव की वजह से होने वाली मौत।' इन दोनों ही देशों में कुल प्रजनन दर बुरी तरह गिर गई है। परिवार टूटते जा रहे हैं। कुछ इलाके तो ऐसे हैं, जहां महीनों/वर्षों से किसी बच्चे का जन्म नहीं हुआ। लोगों में अकेलापन बढ़ने से मनोरोग बढ़ गए हैं। वे काम की भागमभाग में मशीन बन गए हैं। वहां बहुत लोग तो ऐसे हैं, जिन्हें यह याद नहीं कि पिछली बार कब हंसे या कब रोए थे! अगर सोशल मीडिया पर कोई चुटकुला पढ़ते हैं तो चेहरा गंभीर ही बना रहता है। कुछ क्लब जरूर खुल गए हैं, जिनमें लोगों को समय-समय पर हंसना और रोना सिखाया जाता है। मनोवैज्ञानिक मानते हैं कि इन क्रियाओं से मन हल्का होता है, कई मानसिक समस्याएं स्वत: दूर हो जाती हैं। हमें इन देशों के अनुभवों से सबक लेना चाहिए। काम के घंटे उतने ही होने चाहिएं, जिनसे लक्ष्य जरूर प्राप्त हो, साथ ही संबंधित व्यक्ति के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव न हो। उसका पारिवारिक व सामाजिक जीवन अच्छा रहे। जब कर्म को पूजा मानते हैं तो उसमें आनंद आना ही चाहिए।

ट्वीटर टॉक

श्री स्वामीनारायण मंदिर, लंदन में दर्शन और भारतीय संस्कृति की इस अनुपम धरोहर का अनुभव करना अत्यंत सुखद रहा। यह मंदिर न केवल आध्यात्मिकता का केंद्र है, बल्कि भारतीय धर्म, संस्कृति तथा सेवा और मानवीय मूल्यों का वैश्विक मंच भी है।

-ओम बिरला

काफी समय से मेरी गॉल ब्लैडर की सर्जरी होनी थी जो अनेक व्यस्तताओं के कारण नहीं हो पाई। आप सभी की दुआओं से कल यह सर्जरी सफलतापूर्वक हो गई। डॉक्टरों की सलाह के अनुसार मैं कुछ दिन रेस्ट पर रहूंगा इस कारण आपसे मुलाकात नहीं हो सकेगी।

-अशोक गहलोत

भारतीय दर्शन के प्रकाश से अखिल विश्व को आलोकित करने वाले समस्त युवा पीढ़ी के प्रेरणास्रोत स्वामी विवेकानंद जी की जयंती 'राष्ट्रीय युवा दिवस' के उपलक्ष्य पर जयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय युवा महोत्सव में सहभागिता कर उपस्थित जनों को संबोधित किया।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

शुभ चिंतन से श्रेष्ठता

एक बार वनदेवी भ्रमण के लिए निकलीं। उन्होंने टहलते हुए एक सुन्दर-सा उद्यान देखा। वहां गुरुकुल के विद्यार्थी चहलकदमी कर रहे थे। वनदेवी ने रूप बदल लिया। वह एक भूखी प्यासी बालिका बनकर एक कुलीन विद्यार्थी के सामने याचना करने लगी। मगर उसने नजरअंदाज कर दिया और आगे बढ़ गया। तभी एक साधारण से किशोर ने उसकी बात सुनी। उसे जल तथा फल दिये। वह बालिका धन्यवाद स्वरूप उसके हाथ पर चमेली का एक फूल रखकर चली गई। तभी गुरुदेव पधारे। किशोर ने गुरुदेव को प्रणाम किया और फूल नीचे गिरा। मगर अब वह सामान्य नहीं था। चांदी का बन गया था। भौंचक किशोर ने गुरुदेव को सारी बात कह सुनाई। गुरुदेव बोले, 'वनदेवी के आशीर्वाद से यह सब संभव है। वनदेवी प्रसन्न होती हैं तो केवल हमारे शुभ विचारों और अच्छे चिंतन से।' फिर उस कुलीन शिष्य से बोले, 'आज यह आशीर्वाद तुमको मिलता। याद रखना कि व्यक्ति धन से कभी बड़ा नहीं होता है, धन से वह सिर्फ बड़ा दिखता है। व्यक्तित्व में बड़प्पन और श्रेष्ठता तो केवल अच्छे विचारों से ही आती है।

सामयिक

गंगासागर का मेला 5 दिन तक चलता है। इस दौरान तीर्थयात्री लोग मुंडन, श्राद्ध, पिण्डदान और समुद्र में पितरों को जल अर्पित करते हैं। गंगासागर में कपिल मुनि का प्राचीन मंदिर था जोकि समुद्र में समा गया। 1973 में यहाँ कपिल मुनि का नया मंदिर बना जहां श्रद्धालु दर्शन करते हैं। गंगासागर गंगा नदी का एक छोटा डेल्टा द्वीप है जिसकी आबादी करीब 2 लाख और क्षेत्रफल 282 वर्ग किमी है। सागर द्वीप के एक ओर बंगाल की खाड़ी और दूसरी ओर बांग्लादेश है।

आस्था और विश्वास का संगम है गंगासागर

रमेश सर्राफ धमोरा
मोबाइल : 9414255034

भारत में सबसे पवित्र गंगा नदी गंगोत्री से निकल कर पश्चिम बंगाल में सागर से मिलती है। गंगा का जहां सागर से मिलन होता है उस स्थान को गंगासागर के नाम से जाना जाता है। इस स्थान को सागरद्वीप के नाम से भी जाना जाता है। गंगासागर सिर्फ़ एक तीर्थस्थल नहीं है। यह भावना, संस्कृति, आस्था और विश्वास का संगम है। जीवन का उत्सव है। धर्म हमेशा से ही इस भूमि की संस्कृति में समाया हुआ है। कुम्भ मेले को छोडकर देश में आयोजित होने वाले अन्य सभी मेलों में गंगासागर का मेला सबसे बड़ा मेला होता है। हिन्दू धर्मग्रन्थों में इसकी चर्चा मोक्षधाम के तौर पर की गई है। जहां मकर संक्रान्ति के मौके पर दुनिया भर से लाखों श्रद्धालु मोक्ष की कामना लेकर आते हैं और सागर-संगम में डुबकी लगाते है। मान्यता के अनुसार साल की 12 संक्रान्तियों में मकर संक्रान्ति का सबसे महत्व ज्यादा है। इस दिन सूर्य मकर राशि में आता हैं और इसके साथ देवताओं का दिन शुरू हो जाता है। गंगासागर के संगम पर श्रद्धालु समुद्र को नारियल और यज्ञोपवीत भेंट करते हैं। समुद्र में पूजन एवं पिण्डदान कर पितरों को जल अर्पित करते हैं। गंगासागर में स्नान-दान का महत्व शास्त्रों में विस्तार से बताया गया है। मेले में आये लोग कपिल मुनि के आश्रम में उनकी मूर्ति की पूजा करते हैं। मन्दिर में गंगा देवी, कपिल मुनि तथा भागीरथ की मूर्तियां स्थापित हैं।

मकर संक्रांति पर जैसे ही सूर्य देव धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करते हैं। लाखों तीर्थयात्री पवित्र संगम पर डुबकी लगाते हैं। गंगासागर में मकर संक्रांति के दिन स्नान करने का विशेष महत्व है। पौराणिक मान्यता है कि इस दिन गंगासागर में जो श्रद्धालु एक बार स्नान करता है उसे 10 अश्वमेध यज्ञ और एक हजार गाय दान करने का फल मिलता है। गंगासागर की तीर्थयात्रा सैकड़ों तीर्थयात्राओं के समान मानी जाती है। पहले गंगासागर जाना हर किसी के लिये सम्भव नहीं होता था। तभी कहा जाता था कि सारे तीरथ बार-बार गंगासागर एक बार। हालांकि यह पुराने जमाने की बात है जब यहां सिर्फ जल मार्ग से ही पहुंचा जा सकता था। आधुनिक परिवहन साधनों से अब यहां आना सुगम हो गया है। पश्चिम बंगाल के दक्षिण चौबीस परगना जिले में स्थित इस तीर्थस्थल पर कपिल मुनि का मंदिर बना हुआ हैं। जिन्होंने भगवान राम के पूर्वज और इक्ष्वाकु वंश के राजा सगर के 60 हजार पुत्रों का उद्धार किया था। मान्यता है कि यहां मकर संक्रान्ति पर पुण्य-स्नान करने से मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है।

सुन्दरवन निकट होने के कारण गंगासागर मेले को कई विषम स्थितियों का सामना करना पड़ता है। तूफान व ऊंची लहरें हर वर्ष मेले में बाधा डालती हैं। इस द्वीप में ही रॉयल बंगाल टाइगर का प्राकृतिक आवास है। यहां दलदल, जलमार्ग तथा छोटी छोटी नदियां, नहरें भी है। बहुत पहले इस स्थान पर गंगा जी की धारा सागर में मिलती थी। किंतु अब इसका मुहाना पीछे हट गया है। अब इस द्वीप के पास गंगा की एक बहुत छोटी सी धारा सागर से मिलती है। यह मेला पांच दिन चलता है। इसमें स्नान मुहूर्त तीन दिनों का होता है। यहां अलग से गंगाजी का कोई मंदिर नहीं है। मेले के लिये एक स्थान निश्चित है। कहा जाता है कि यहां स्थित कपिल मुनि का प्राचीन मंदिर सागर की लहरें बहा ले गयी थी। मन्दिर की मूर्ति अब कोलकाता में रहती है और मेले से कुछ सप्ताह पूर्व यहां के पुरोहितों को पूजा अर्चना के लिये मिलती है।

गंगासागर में मकर संक्रान्ति से पन्द्रह दिन पहले ही मेला शुरू हो जाता है। मेले में दुनिया के विभिन्न भागों से तीर्थयात्री, साधु-संत आते हैं और संगम में स्नान कर सूर्यदेव को अर्घ्य देते हैं। मेले की विशालता के कारण लोग इसे मिनी कुंभ मेला भी कहते हैं। मकर संक्रान्ति के दिन यहां सूर्यपूजा के साथ विशेष तौर कपिल मुनि की पूजा की जाती है। ऐसी मान्यता है कि ऋषि-मुनियों के लिए गृहस्थ आश्रम या पारिवारिक जीवन वर्जित होता है। भगवान विष्णु जी के कहने पर कपिलमुनी के पिता कर्दम ऋषि ने गृहस्थ आश्रम में प्रवेश किया। उन्होने विष्णु भगवान से शर्त रखी कि भगवान विष्णु को उनके पुत्र रूप में जन्म लेंना होगा। भगवान विष्णु ने शर्त मान ली फलस्वरुप कपिलमुनी का जन्म हुआ जिन्हें विष्णु का अवतार माना गया। आगे चल कर गंगा और सागर के मिलन स्थल पर कपिल मुनि आश्रम बना कर तप करने लगे। इस दौरान राजा सगर ने अश्वमेध यज्ञ आयोजित किया। इस के बाद यज्ञ के अश्वों को स्वतंत्र छोड़ा गया। परिपाटी है कि ये जहां से गुजरते हैं वे राज्य अधीनता स्वीकार करते है। अश्व को रोकने वाले राजा को युद्ध करना पड़ता है। राजा सगर ने यज्ञ अश्वों के रक्षा के लिए उनके साथ अपने 60 हजार पुत्रों को भेजा। अचानक यज्ञ अश्व गायब हो गया। खोजने पर यज्ञ का अश्व कपिल मुनि के आश्रम में मिला। फलतः सगर पुत्र साधनरत ऋषि से नाराज हो उन्हे अपशब्द कहने लगे। ऋषि ने नाराज हो कर उन्हे शापित करते हुये अपने नेत्रों के तेज से भस्म कर दिया। मुनि के श्राप के कारण उनकी आत्मा को मुक्ति नहीं मिल सकी। काफी वर्षों के बाद राजा सगर के पौत्र राजा भागीरथ कपिल मुनि से माफी मांगने पहुंचे। कपिल मुनि राजा भागीरथ के व्यवहार से प्रसन्न हुए। उन्होने कहा कि गंगा जल से ही राजा सगर के 60 हजार मृत पुत्रों का मोक्ष संभव है। राजा भागीरथ ने अपने अथक प्रयास और तप से गंगा को धरती पर उतारा। अपने पुरखों के भस्म स्थान पर गंगा को मकर संक्रान्ति के दिन लाकर उनकी आत्मा को मुक्ति और शांति दिलाई। यही स्थान गंगासागर कहलाया। इसलिए यहां स्नान का इतना महत्व है।

गंगासागर का मेला 5 दिन तक चलता है। इस दौरान तीर्थयात्री लोग मुंडन, श्राद्ध, पिण्डदान और समुद्र में पितरों को जल अर्पित करते हैं। गंगासागर में कपिल मुनि का प्राचीन मंदिर था जोकि समुद्र में समा गया। 1973 में यहाँ कपिल मुनि का नया मंदिर बना जहां श्रद्धालु दर्शन करते हैं। गंगासागर गंगा नदी का एक छोटा डेल्टा द्वीप है जिसकी आबादी करीब 2 लाख और क्षेत्रफल 282 वर्ग किमी है। सागर द्वीप के एक ओर बंगाल की खाड़ी और दूसरी ओर बांग्लादेश है।

इस सुंदर द्वीप के ज्यादातर क्षेत्र में घने जंगल है। कपिल मुनि के मंदिर, आश्रम के अलावा यहाँ महादेव मंदिर, शिव शक्ति-महानिर्वाण आश्रम, भारत सेवाश्रम संघ का मंदिर, धर्मशालायें भी है। गंगासागर वास्तव में एक टापू है जो गंगा नदी के मुहाने पर स्थित है। यहां बंगला भाषी आबादी रहती है। यह पूरी तरह से ग्रामीण ईलाका है। यहां आने वाले तीर्थयात्रियों के रहने के लिए यहां पर होटल, आश्रम व धर्मशालायें है। अब पूरे वर्ष लोग यहां लोगों का आवागमन लगा रहता है। कोलकाता से पूरे मार्ग में सडक बनी हुयी है मात्र 5 किलोमीटर पानी में नाव का सफर करना पड़ता है। गंगासागर में मकर संक्रांति के दिन 14 व 15 जनवरी को मुख्य मेला लगता है। जिसमें लाखों लोग स्नान और पूजा करने आते हैं।

पश्चिम बंगाल सरकार मुख्य भूमि को सागर द्वीप से जोड़ने वाली मुरी गंगाा नदी पर चार साल में पांच किलोमीटर लंबा गंगासागर सेतु बनाएगी। जिसके निर्माण पर 1500 करोड़ रुपये खर्च होंगे। मकर संक्रांति के अवसर पर आयोजित होने वाला गंगासागर मेला 17 जनवरी तक चलेगा। इस साल देश भर से 50 लाख से अधिक लोगों के मेले में शामिल होने की उम्मीद है। ब्रिज बनने से श्रद्धालु जलमार्ग की बजाय सड़क मार्ग से कचुबेरिया तक आ सकेगें। गंगासागर मेला किसी भी तरह कुम्भ मेले से कम नहीं है। यहां दुनियाभर से श्रद्धालु आते हैं। इस कारण गंगासागर मेले को भी कुंभ मेले जैसा दर्जा मिलना चाहिये। ताकि यहां के विकास के लिये कुम्भ मेले की तरह अलग से बजट उपलब्ध हो सके।

नजरिया

रिटायर्ड अफ़सरों के बोझ तले दबा आरटीआई का ढाँचा

डॉ सत्यवान सौरभ
मोबाइल : 9466526148

भारत में सूचना आयुक्तों के रूप में सेवानिवृत्त सिविल सेवकों के प्रभुत्व ने सूचना के अधिकार (आरटीआई) ढांचे की स्वतंत्रता और विविधता के बारे में चिंताएँ बढ़ा दी हैं। जबकि उनका अनुभव मूल्यवान हो सकता है, इस ने संभावित पूर्वाग्रहों और सीमित प्रतिनिधित्व पर बहस छेड़ दी है। इस तरह के प्रभुत्व के निहितार्थ और उम्मीदवारों के लिए पात्रता मानदंड को व्यापक बनाने के लिए सुधारों की आवश्यकता का पता लगाता है। आरटीआई ढांचे में स्वतंत्रता और विविधता के बारे में कई चिंताएँ हैं। सेवानिवृत्त सिविल सेवकों का प्रभुत्व एक संकीर्ण, एकरूप दृष्टिकोण बनाता है, जो निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में विविधता को कम करता है। सेवानिवृत्त नौकरशाहों को अक्सर प्रतिष्ठान का हिस्सा माना जाता है, जिससे सरकार की कार्रवाइयों को निष्पक्ष रूप से चुनौती देने की उनकी क्षमता सीमित हो जाती है। पूर्व सरकारी कर्मचारी अपने पूर्व सहयोगियों के प्रति पूर्वाग्रह प्रदर्शित कर सकते हैं, जिससे अपीलों को संभालने में निष्पक्षता कम हो सकती है। एक सेवानिवृत्त अधिकारी उन विभागों के खिलाफ निर्णय लेने में संकोच कर सकता है, जिनके लिए उन्होंने कभी काम किया था, जिससे समझौतापूर्ण फैसले होते हैं। पारदर्शिता में विशेषज्ञता की कमी एक बड़ा मुद्दा है। सेवानिवृत्त सिविल सेवकों में पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक विशेष ज्ञान की कमी हो सकती है, जो आरटीआई अधिनियम का मुख्य हिस्सा है। सेवानिवृत्त नौकरशाह वर्तमान सामाजिक मुद्दों से कटे हुए हो सकते हैं, जिससे सार्वजनिक शिकायतों को प्रभावी ढंग से सम्बोधित करने की उनकी क्षमता कम हो सकती है। प्रशासनिक पृष्ठभूमि से आने वाले सूचना आयुक्त समकालीन दृष्टिकोण से सूचना तक पहुँचने के बारे में जनता की चिंताओं को पूरी तरह से नहीं समझ सकते हैं। लंबे समय तक सरकारी सम्बद्धता वाले नौकरशाहों की नियुक्ति से जवाबदेही कम हो सकती है, क्योंकि उनके निर्णय सरकारी हितों के साथ संरेखित हो सकते हैं। विशिष्ट राजनीतिक दलों से सम्बंध रखने वाले नौकरशाह सरकारी निर्णयों को चुनौती देने में अनिच्छा दिखा सकते हैं, जिससे आरटीआई ढांचे की स्वतंत्रता कम हो सकती है।

न्यूजीलैंड जैसे देश सार्वजनिक क्षेत्र की रिक्तियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान चलाते हैं, जिससे विभिन्न क्षेत्रों से कुशल पेशेवर आकर्षित होते हैं। आरटीआई ढांचे की स्वतंत्रता और विविधता सुनिश्चित करने के लिए, सुधार आवश्यक हैं। विविध क्षेत्रों के पेशेवरों को शामिल करके पात्र उम्मीदवारों के पूल का विस्तार करने से नए ष्टिकोण आ सकते हैं, पूर्वाग्रह कम हो सकते हैं और जवाबदेही बढ़ सकती है। अधिक समावेशी ष्टिकोण प्रणाली की पारदर्शिता को मज़बूत करेगा, जिससे दीर्घकालिक रूप से जनता का विश्वास बढ़ेगा।

सेवानिवृत्त सिविल सेवकों के प्रभुत्व का प्रभाव पड़ता है। जब चयन पूल में विविधता का अभाव होता है, तो जनता आरटीआई ढांचे की तटस्थता में विश्वास खो सकती है। सीमित नए दृष्टिकोण वाले नौकरशाहों का प्रभुत्व अक्षमता में योगदान देता है, जिससे आरटीआई अपीलों के प्रसंस्करण में देरी बढ़ जाती है। सीआईसी के 23, 000 अपीलों का बैकलॉग बताता है कि नए दृष्टिकोण के बिना नौकरशाही नियुक्तियाँ नागरिक शिकायतों के समय पर समाधान में बाधा बन सकती हैं। नियुक्तियों में विविधता की कमी के परिणामस्वरूप समान पृष्ठभूमि वाले कुछ व्यक्तियों के हाथों में शक्ति केंद्रित हो जाती है। यह प्रथा नवीन विचारों या दृष्टिकोण में परिवर्तन को रोकती है जो आरटीआई अधिनियम की प्रभावकारिता में सुधार कर सकते हैं। विविध इनपुट के बिना, आरटीआई ढांचा आधुनिक आवश्यकताओं के अनुकूल होने में विफल हो सकता है, जिससे सुधार रुक सकते हैं जो इसे और अधिक प्रभावी बना सकते हैं। अगर लोगों को लगता है कि निर्णय पक्षपातपूर्ण हैं या पूर्व सरकारी अधिकारियों द्वारा प्रभावित हैं, तो वे आरटीआई प्रक्रिया से जुड़ने के लिए कम इच्छुक महसूस कर सकते हैं।

योग्य उम्मीदवारों के पूल को व्यापक बनाने के लिए सुधारों की तत्काल आवश्यकता है। विभिन्न विशेषज्ञता वाले पेशेवरों को शामिल करने से निर्णय लेने में व्यापक दृष्टिकोण आएगा। यह आरटीआई ढांचे में विविध दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है। यूके जैसे देशों में, सूचना आयुक्त कानून, पत्रकारिता और शिक्षा जैसे पृष्ठभूमि से आते हैं, जो स्वतंत्रता और निष्पक्षता को बढ़ावा देते हैं। एक सार्वजनिक, पारदर्शी चयन प्रक्रिया निष्पक्षता को बढ़ावा देगी और सभी को सूचना आयुक्त की भूमिकाओं के लिए आवेदन करने का समान अवसर देगी। अमेरिका कई सरकारी निगरानी भूमिकाओं के लिए एक सार्वजनिक नामांकन प्रक्रिया का उपयोग करता है, जो उम्मीदवारों के चयन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करता है। कार्यकाल सीमित करने और आयु प्रतिबंध लागू करने से नए दृष्टिकोण को बढ़ावा मिल सकता है और सूचना आयोगों के भीतर गतिशील नेतृत्व की अनुमति मिल सकती है। ऑस्ट्रेलिया जैसे कई राष्ट्र वरिष्ठ अधिकारियों के कार्यकाल को सीमित करते हैं ताकि दीर्घकालिक रूप से जड़ता से बचा जा सके और नए विचारों को प्रोत्साहित किया जा सके।

नागरिक समाज के प्रतिनिधियों के साथ एक अधिक समावेशी दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करने में मदद कर सकता है कि आरटीआई प्रणाली जनता की ज़रूरतों के प्रति उत्तरदायी है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में गैर-सरकारी संगठनों के सदस्य शामिल हैं, जो विविध दृष्टिकोणों के माध्यम से मानवाधिकारों के प्रति अपने दृष्टिकोण को मज़बूत करते हैं।

आवेदनों के लिए आउटरीच और जागरूकता का विस्तार करना: रिक्तियों को सक्रिय रूप से प्रचारित करना और आउटरीच कार्यक्रमों को बढ़ाना विभिन्न पेशेवर पृष्ठभूमि से उम्मीदवारों को आकर्षित करने में मदद करेगा, जिससे अधिक विविध पूल बनेंगे। न्यूजीलैंड जैसे देश सार्वजनिक क्षेत्र की रिक्तियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान चलाते हैं, जिससे विभिन्न क्षेत्रों से कुशल पेशेवर आकर्षित होते हैं। आरटीआई ढांचे की स्वतंत्रता और विविधता सुनिश्चित करने के लिए, सुधार आवश्यक हैं। विविध क्षेत्रों के पेशेवरों को शामिल करके पात्र उम्मीदवारों के पूल का विस्तार करने से नए दृष्टिकोण आ सकते हैं, पूर्वाग्रह कम हो सकते हैं और जवाबदेही बढ़ सकती है। अधिक समावेशी दृष्टिकोण प्रणाली की पारदर्शिता को मज़बूत करेगा, जिससे दीर्घकालिक रूप से जनता का विश्वास बढ़ेगा।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

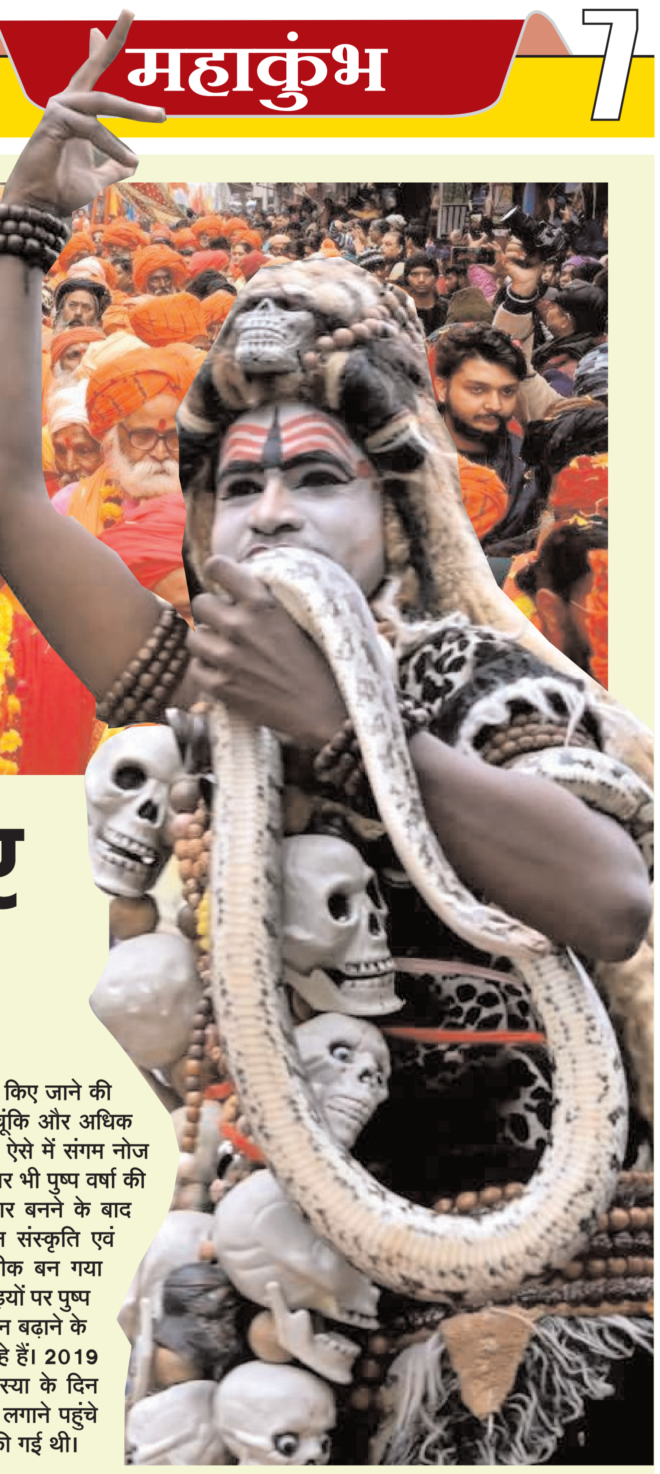

नागा संन्यासियों, साधु संतों और श्रद्धालुओं पर होगी पुष्प वर्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभनगर। दुनिया के सबसे बड़े आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महाकुंभ मेले में पौष पूर्णिमा और मकर संक्रांति स्नान पर नागा संन्यासियों एवं अन्य साधु संतों सहित श्रद्धालुओं पर पौष पूर्णिमा और मकर संक्रांति स्नान पर पुष्प वर्षा किए जाने की योजना है। महाकुंभ का पहला स्नान पर्व सोमवार 13 जनवरी को पौष पूर्णिमा और बुधवार 14 जनवरी मकर संक्राति (अमृत स्नान) पर्व है। इस बार दोनो पर्व आगे पीछे पड़े हैं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार महाकुंभ-2025 को यादगार बनाने के लिए हर संभव कोशिश कर रही है। श्रद्धालुओं के लिए यह महाकुंभ एक शानदार अनुभव हो, इसके लिए स्वच्छता, सुरक्षा और सुविधा सभी चीजों का खास ध्यान रखा जा रहा है। महाकुंभ की भव्यता और दिव्यता को आयाम देने के लिए श्रद्धालुओं पर हर बार की तरह इस बार भी हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा किए जाने की योजना पर भी काम हो रहा है।

उन्होंने बताया कि योगी सरकार इससे पहले भी माघ मेला, कुंभ समेत कई धार्मिक कार्यक्रमों के दौरान हेलिकॉप्टर से श्रद्धालुओं, साधु और संतों पर पुष्प वर्षा की जाती रही है। उनकी मंशा के अनुरूप महाकुम्भ 2025 में भी नागा संन्यासियों एवं अन्य साधु संतों के साथ-साथ श्रद्धालुओं पर भी पुष्प वर्षा की परंपरा का निर्वहन किया जाएगा। संगम नोज पर पुष्प वर्षा किए जाने की परंपरा रही है, लेकिन इस बार चूंकि और अधिक संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहेंगे तो ऐसे में संगम नोज के साथ-साथ अन्य सभी घाटों पर भी पुष्प वर्षा की योजना है। प्रदेश में योगी सरकार बनने के बाद श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा सनातन संस्कृति एवं आस्था को नमन करने का प्रतीक बन गया है।श्री योगी श्रद्धालुओं और कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा कर सनातन संस्कृति का मान बढ़ाने के अपने कर्तव्य का निर्वहन करते रहे हैं। 2019 कुम्भ के दौरान भी मौनी अमावस्या के दिन संगम तट पर आस्था की डुबकी लगाने पहुंचे करोड़ों श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा की गई थी।

प्रयागराज महाकुंभ में 35 करोड़ श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद

लखनऊ/प्रयागराज। प्रयागराज में आयोजित होने वाले महाकुंभ-2025 में प्रमुख स्नान की शुरुआत से पहले, उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने कहा कि संगम (गंगा, यमुना और सरस्वती नदियों) के आसपास होने वाले 45 दिवसीय इस महा आयोजन में 35 करोड़ श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है। सिंह ने यह भी कहा कि मौनी अमावस्या के दौरान, अनुमानित 4-5 करोड़ भक्तों के प्रयागराज में पहुंचने और स्नान में भाग लेने की उम्मीद है। सिंह ने बताया कि महाकुंभ के लिए राज्य का बजट लगभग 7,000 करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा, पिछला कुंभ स्वच्छता के लिए जाना जाता था। इस बार यह स्वच्छता, सुरक्षा और डिजिटल कुंभ है। उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा, 2019 में कुंभ हुआ था। यह महाकुंभ है और पिछले कुंभ में 24 करोड़ श्रद्धालु आए थे जबकि इस बार 35 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है।

मुख्य सचिव ने कहा, व्यवस्था भी उसी के अनुरूप की जा रही हैं। मेले का क्षेत्रफल लगभग 25 प्रतिशत बढ़ा है। इस बार मेला करीब 4,000 हेक्टेयर में लगाया जा रहा है, जबकि पिछले कुंभ में यह करीब 3,200 हेक्टेयर क्षेत्र में लगाया गया था। साल 2019 के कुंभ से तुलना करते हुए सिंह ने कहा, इस बार हमने मेला क्षेत्र को 25 सेक्टरों में बांटा है, जबकि 2019 में यह 20 सेक्टर में था। घाटों की लंबाई आठ किलोमीटर (2019 में) से बढ़ाकर 12 किलोमीटर (2025 में) कर दी गई है। पार्किंग क्षेत्र भी 2019 में 1291 हेक्टेयर की तुलना में इस बार बढ़ाकर 1850 हेक्टेयर कर दिया गया है। उन्होंने कहा, जब आप 2013 और 2019 में किए गए कार्यों की तुलना करेंगे तो इसमें काफी बदलाव देखेंगे और इस बार आप इसमें काफी सुधार पाएंगे, क्योंकि पैसे के मामले में भी, पिछली बार हमने लगभग 3,500 करोड़ रुपये खर्च किए थे और इस बार यह दोगुना है और हम लगभग 7,000 करोड़ रुपये खर्च कर रहे हैं।

सिंह ने कहा भारत सरकार के विभागों ने भी काफी निवेश किया है। रेलवे व राष्ट्रीय राजमार्गों में भी आप सुधार देखेंगे। मौनी अमावस्या की व्यवस्थाओं के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि कुंभ के दौरान मौनी अमावस्या पर हमेशा सबसे अधिक संख्या में श्रद्धालु आते हैं। उन्होंने कहा, इस बार मौनी अमावस्या (25 जनवरी से 30 जनवरी तक) के दौरान अनुमानित 4-5 करोड़ भक्तों के आने की उम्मीद है, जबकि 2019 में यह आंकड़ा 3-4 करोड़ था। मुख्य सचिव ने कहा कि छह महत्वपूर्ण (प्रमुख स्नान) तिथियां हैं जिन पर अधिक श्रद्धालु और अधिक भीड़ होगी। इसलिए, उन दिनों, एहतियात के तौर पर, राज्य सरकार किसी को भी कोई वीआईपी प्रोटोकॉल नहीं देती है।

उन्होंने कहा, इसलिए, हम सभी वीवीआईपी से अनुरोध करते हैं कि वे उन छह दिनों में न आएं। हम उन्हें उन दिनों आमंत्रित करने का प्रयास करते हैं, जो प्रमुख स्नान के दिन नहीं होते हैं। सिंह ने कहा, महाकुंभ मेला 2025 में कल्पवासियों की अनुमानित संख्या 15-20 लाख है, जबकि कुंभ मेला 2019 में यह 10 लाख थी। उनके मुताबिक, पोंटून पुलों की संख्या 2025 में 30 हो गई है जो 2019 में 22 थी। मुख्य सचिव ने बताया कि मेला क्षेत्र की सड़कों की लंबाई 299 किलोमीटर से बढ़ाकर 450 किलोमीटर से अधिक कर दी गई है। सुरक्षा के पहलू पर उन्होंने कहा, 55 से अधिक थाने हैं, और लगभग 45,000 पुलिसकर्मी वहां ड्यूटी पर तैनात किए जा रहे हैं। सोशल मीडिया पर लगातार निगरानी रखने के लिए भी परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, ताकि कोई भी शरारत न कर सके।

अगर सोशल मीडिया पर कुछ भी अप्रिय हो रहा है, तो उसे पहचाना जाना चाहिए, अलग किया जाना चाहिए और उससे निपटा जाना चाहिए। सिंह ने कहा भारत सरकार के संस्थानों के साथ राज्य स्तर पर हर बड़े पैमाने पर बैठकें आयोजित की गई। केंद्र और राज्य सरकारों के संस्थानों के बीच बेहतरीन समन्वय है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण पहले से ही काम कर रहा है, एनडीएमए भी काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि 'आपदा मित्र' को प्रशिक्षित किया गया है। महाकुंभ के डिजिटल पहलू पर टिप्पणी करते हुए मुख्य सचिव ने कहा, पिछले कुंभ से पहले हमने वहां एकीकृत नियंत्रण और कमान केंद्र (आईसीसीसी) स्थापित किए थे। इस बार इसे और मजबूत किया गया है और पूरे कुंभ क्षेत्र में 3,000 से अधिक कैमरे लगाए गए हैं।

महाकुंभ मेले में विदेशी नागरिकों और राजदूतों के दौरे के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, पिछले कुंभ में 55-60 देशों से लोग आए थे, क्योंकि कुंभ शुरू होने से ठीक पहले वाराणसी में प्रवासी भारतीय दिवस का कार्यक्रम था, इसलिए वहां से बहुत सारे लोग आए थे। इसके अलावा एक दिन हम दूतावासों के दौरे का आयोजन करते हैं। वह दौरा 30 जनवरी को आयोजित किया जा रहा है।

महाकुम्भ स्नान के लिए घाट तैयार, संस्थाओं में कार्य प्रगति पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुम्भ नगर। संगम की रेती पर आयोजित विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक समागम महाकुम्भ, सोमवार के स्नान पर्व से प्रारंभ होने जा रहा है जिसके लिए मेला प्रशासन ने पूरी तरह से तैयारी का दावा किया है। हालांकि अभी कई जगहों पर कार्य प्रगति पर है। स्नान से एक दिन पूर्व 'पीटीआई-भाषा' ने रविवार को संगम घाट और अन्य घाटों पर तैयारियों का जायजा लिया। सभी घाट स्नान के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। इस बार संगम तट के अलावा नदी के बीच में कई 'चेंजिंग रूम' बनाए गए हैं और सभी नाविकों को यात्रियों के लिए 'लाइफ जैकेट' दिए गए हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए नाव के किराए की दर का बोर्ड भी लगाया गया है। संगम क्षेत्र में स्नान के लिए भारी संख्या में आ रहे श्रद्धालुओं को लेकर उत्साहित नाविक विष्णु निषाद ने कहा, इस बार का कुम्भ मेला हम नाविकों के जीवन में खुशी की लहर लेकर आया है। मेला प्रशासन द्वारा किराया बढ़ाने से सभी नाविक उत्साहित हैं। स्नान घाटों पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा को विशेष महत्व देते हुए महाकुम्भ में पहली बार 'अंडर वॉटर ड्रोन' तैनात किया गया है जो 24 घंटे पानी के भीतर हर गतिविधियों की निगरानी करने में सक्षम है। प्रभारी पुलिस महानिरीक्षक (पूर्वी जोन) डॉक्टर राजीव नारायण मिश्र ने बताया कि पानी के अंदर बेहद तेज गति से काम करने वाले इस ड्रोन की सबसे खास बात यह है कि यह अंधेरे में भी लक्ष्य पर सटीक नजर रखने और पानी के नीचे 100 मीटर गहराई तक टोह लेने में सक्षम है। उन्होंने बताया कि यहां 700 झंडे लगी नावों पर 24 घंटे प्रांतीय सशस्त्र कांस्टेबुलरी (पीएसी), राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) व राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) के जवान तैनात रहेंगे।महाकुम्भ का स्नान पर्व 13 जनवरी को पौष पूर्णिमा के साथ प्रारंभ होकर 26 फरवरी को महाशिवरात्रि तक चलेगा। इस अवधि में मुख्य स्नान पर्व 14 जनवरी (मकर संक्रांति) 29 जनवरी (मौनी अमावस्या) और तीन फरवरी (बसंत पंचमी) का है। सेक्टर 18 में अखाड़ों विशेषकर जूना अखाड़ा के शिविरों की कुटिया में धुनी रमाये नागा साधुओं को देखने और उनसे मिलने के लिए बड़ी संख्या में लोग आ रहे हैं। महाकुम्भ के मुख्य आकर्षण इन अखाड़ों को बसाने में मेला प्रशासन ने कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है।

इसी प्रकार, अपनी दिव्यता और भव्यता के लिए चर्चा में रहे पायलट बाबा, जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि और निरंजनी अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि के शिविरों में देसी और विदेशी अतिथियों का आगमन प्रारंभ हो चुका है और इनके शिविर पूरी तरह से तैयार हैं। मेला क्षेत्र में सेक्टर 18 में संगम लोअर मार्ग पर पायलट बाबा के शिविर में मौजूद महामंडलेश्वर शैलेशानंद गिरि ने तैयारियों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि उनका शिविर लगभग तैयार है, ज्यादातर अतिथि आ चुके हैं और मेला प्रशासन ने बहुत अच्छी व्यवस्था की है।

मेला क्षेत्र के वीआईपी सेक्टर कहे जाने वाले सेक्टर 2, 3, 4, 18 और 19 में अखाड़ों और प्रशासनिक अधिकारियों के शिविर बनकर तैयार हैं, लेकिन कल्पवासियों के शिविरों में शौचालय और पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं की कमी की शिकायतें आ रही हैं। सेक्टर 18 में कल्पवासियों के शिविर लगाने वाले मनीष त्रिपाठी ने बताया कि नल की पर्ची जमा किए हुए 10 दिन बीत गए, लेकिन अभी तक शिविर में नल नहीं लगा है और मेला प्रशासन में कोई सुनवाई नहीं हो रही। सेक्टर छह में रामपति सेवा आश्रम नाम से कल्पवासियों का शिविर चला रहे शिवाकांत त्रिपाठी ने बताया कि उनके शिविर में पांच नल लगे हैं, लेकिन एक ही नल में पानी आता है। कुछ शौचालय ही बने हैं और बाकी शौचालय के लिए गड्ढे खोदे गए हैं। सेक्टर 15 के कबीर नगर में गुरु की सेवा में लगे डॉक्टर नरेन्द्र नाथ ने बताया कि सेक्टर नौ से लेकर सेक्टर 15 तक में प्लॉट तो आबंटित कर दिए गए हैं लेकिन मूलभूत सुविधाएं नहीं दी गई हैं। इन सेक्टरों में मुक्ति मार्ग, संगम लोअर मार्ग, हर्षवर्धन मार्ग और तुलसी मार्ग पर 'चकर्ड प्लेट' (जमीन पर रास्ता बनाने के लिए स्टील की लंबी प्लेट) एक दूसरे से जुड़ी हुई नहीं है जिससे गाड़ियों के आवागम न दिक्कत हो रही है।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के पैलेस ग्राउंड के ग्रांड कैंसल सभागार में अग्रवाल समाज कर्नाटक द्वारा आयोजित अग्रवाल ट्रेड फेयर के आखिरी दिन रविवार को सुबह ग्राहकों की अच्छी भीड़ उमड़ी।

ओम बिरला ने लंदन में बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर में दर्शन किए

लंदन/दक्षिण भारत। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने ब्रिटेन के हाउस ऑफ कॉमन्स के अध्यक्ष लिंडसे हॉयल के निमंत्रण पर शनिवार को लंदन में बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर में दर्शन किए। वे इस देश की आधिकारिक यात्रा पर गए हैं। बिरला का बीएपीएस स्वामीनारायण संस्था के आध्यात्मिक गुरु महंत स्वामी महाराज की ओर से मंदिर के स्वामियों द्वारा पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया।

अपनी यात्रा के दौरान बिरला ने भगवान के दर्शन और अभिषेक किए। उन्होंने इस स्थान की आध्यात्मिकता का अनुभव किया। इस अवसर पर उन्हें भारत में बीएपीएस के उल्लेखनीय कार्यों और ब्रिटेन एवं यूरोप में हो रहीं प्रेरणादायक पहल, खासकर फ्रांस के पेरिस में बनने वाले बीएपीएस स्वामीनारायण हिंदू मंदिर के बारे में भी जानकारी दी गई।

बता दें कि फरवरी 2022 में बिरला के नेतृत्व में भारतीय सांसदों के एक वरिष्ठ प्रतिनिधिमंडल ने अबू धाबी में बीएपीएस हिंदू मंदिर स्थल का दौरा किया था। उसी साल बिरला ने नई दिल्ली में स्वामीनारायण अक्षरधाम में महंत स्वामी महाराज से भेंट की थी।

ब्रिटेन में बीएपीएस के ट्रस्टी संजय कारा ने कहा, 'हम बिरला के प्रति बहुत आभारी हैं कि उन्होंने ब्रिटेन में अपने कार्यक्रम के तहत मंदिर का दौरा करने के लिए समय निकाला। सार्थक विचारों और अंतर्दृष्टि का आदान–प्रदान करना तथा भारत एवं ब्रिटेन के संबंधों को और मजबूत करना खुशी की बात थी।'

उत्साह व उल्लास के माहौल के साथ सम्पन्न हुआ अग्रवाल ट्रेड फेयर

अग्रवाल समाज कर्नाटक की पूरी टीम की मेहनत को सभी ने सराहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के पैलेस ग्राउंड के ग्रांड कैंसल सभागार में अग्रवाल समाज कर्नाटक द्वारा आयोजित अग्रवाल ट्रेड फेयर के आखिरी दिन रविवार को सुबह ग्राहकों की अच्छी भीड़ उमड़ी। इस अवसर पर अग्रवाल ट्रेड फेयर के मुख्य सहयोगी गुरु पुनवानी के प्रबंध निदेशक संजय कुमार बैद का सम्मान समाज के अध्यक्ष सुभाष बंसल , सचिव सतीश गोयल, कोषाध्यक्ष अंकित मोदी, कर्नाटक गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रकाश पांडे, युवा संघ के अध्यक्ष रोहित केडिया ने किया। इस अवसर पर संजयकुमार बैद ने अग्रवाल समाज कर्नाटक को मुख्य प्रायोजक बनाने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि इस ट्रेड फेयर से हमारी युवा पीढ़ी इस से व्यापार को आगे बढाने में एक नया कदम बताया।

विशेष अतिथि के रूप में सनातन आयुर्वेदिक कॉलेज के प्रोफेसर डॉ एवी श्रीनिवासन का सम्मान किया गया। उन्होंने देश के व्यापारियों से आह्वान किया कि हम आजकल एक्सपोर्ट से ज्यादा विदेशों से इम्पोर्ट ज्यादा करते है । उससे हमें डबल टेक्स देना पड़ता है । दूसरे देशों से सामान मंगाकर बेचने से हम मुनाफा जरूर कमा सकते है पर इससे देश की जीडीपी नहीं बढ़ सकती है। देश की जीडीपी बढ़ाने के लिए हमको हमारे देश में तैयार प्रोडक्ट को दूसरे देश में ज्यादा से ज्यादा एक्पोर्ट करेगे तो हमारे देश की जीडीपी बढ़ेगी तभी हमारा देश एक नई ऊंचाई पर जाएगा। समाजसेवी महेंद्र मुणोत ने भी ट्रेड फेयर का अवलोकन कर अग्रवाल समाज की टीम को बधाई दी। अग्रवाल समाज के अध्यक्ष सुभाष बंसल ने सभी स्टॉल वालों को अग्रवाल ट्रेड फेयर में भाग लेने पर सर्टिफिकेट देते हुए धन्यवाद दिया। समाज के अध्यक्ष सुभाष बंसल ने युवा संघ के अध्यक्ष रोहित केडिया व महिला मंडल की सचिव सुनीति अग्रवाल की पूरी टीम को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। सचिव सतीश गोयल न इस ट्रेंड फेयर में अपना सहयोग प्रदान करने वालों को धन्यवाद दिया। शाम को उपस्थित लोगों के लिए संगीत का आयोजन किया गया।

सांस्कृतिक उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के दर्शन सोशल एंड कल्चरल अकादमी द्वारा स्वामी विवेकानंद जन्म उत्सव के उपलक्ष्य में बेंगलूरु के कला ग्राम में आयोजित सांस्कृतिक उत्सव में स्वामी विवेकानंद के चित्र पर मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत, अकादमी के अध्यक्ष दर्शन एवं बाल कलाकार ने पुष्प अर्पित कर उनके गुणों को याद दिया। संस्था की ओर से महेन्द्र मुणोत का सम्मान भी किया गया।

आदर्श स्कूल के वार्षिक उत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम की रही धूम

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के आदर्श ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स द्वारा संचालित मनवरतपेट स्थित आदर्श स्कूल का वार्षिक उत्सव कुवेम्पु कलाक्षेत्र में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रख्यात गायक और उद्यमी मनोजवम आत्रेय उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में बच्चों को रुचि के अनुसार विषय का चयन करने और प्रादेशिक भाषा में बोलने और लिखने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के अध्यक्ष पदमराज मेहता ने की। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति समर्पण और निष्ठा के साथ आगे बढ़ने की सलाह दी। संस्थान के सचिव जितेंद्र मरडिया ने विद्यार्थियों को अनवरत शिक्षा प्राप्त करने की प्रेरणा दी और इसे समझाने के लिए कछुआ और खरगोश की कहानी का उदाहरण दिया। उन्होंने अभिवाभक एवं बच्चों के बीच जनरेशन गैप पर भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में संयोजक अशोक भंसाली, पूर्व अध्यक्ष हस्तीमल सिसोदिया और उपाध्यक्ष संजय धारीवाल ने भी अपने विचार साझा किए। संयुक्त सचिव अरविंद दोशी ने आगंतुकों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम मुख्य आकर्षण रहे, जिन्हें दर्शकों ने खूब सराहा। इस दौरान मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। विद्यालय की प्राचार्या डॉ. प्रज्ञा यादव ने स्कूल की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए विद्यार्थियों की उपलब्धियों को साझा किया।

अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के वर्धमान स्थानकवासी नवयुवक मंडल अक्कीपेट के सदस्यों द्वारा अक्कीपेट स्थानक के प्रांगण में लगभग 250 से अधिक जरूरतमंद लोगों को भोजन कराया। नरेश कुमार, यशकुमार जैन के सौजन्य से आयोजित इस मानवसेवा कार्यक्रम में संघ के सहमंत्री विनोद भुरट, पंकज विनायकिया, राजेंद्र बाफना, भरत नेतानी, महावीर छाजेड, हनुमान चोपड़ा, हितेश कांकरिया सहित अन्य सदस्यों ने अन्नदान सेवा में सहयोग किया।

जैन विद्यालय के दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों का ग्रेजुएशन दिवस मनाया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के महावीर जैन शिक्षक संघ द्वारा संचालित बीबीयूएल जैन विद्यालय के दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों का ग्रेजुएशन दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष चंपालाल भंडारी ने सबका स्वागत करते हुए युवाओं को सफलतम सुनहरे भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रुप में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी जिनेन्द्र खानागवी ने उपस्थित विद्यार्थियों को अपना लक्ष्य निर्धारित करते हुए आगे बढ़कर देश–समाज और परिवार का गौरव बढ़ाने की बात कही। विद्यार्थी को ज्ञान प्राप्त कर परिवार, समाज व देश की प्रगति विकास में अपना योगदान देना चाहिए। इस मौके पर दसवीं कक्षा के सभी विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर शुभकामनाएं दी। इस मौके पर कॉलेज के उपाध्यक्ष हेमराज जैन, विमल खांटेड़, मुख्य सचिव चम्पालाल जैन (वसंत), सहसचिव चम्पालाल दांतेवाड़िया आदि ने भी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी। स्कूल की प्रधानाचार्य ने विदाई समारोह में सभी विद्यार्थियों को जागरुक रहकर परीक्षा देने की प्रेरणा दी।

मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ऑल कर्नाटक ट्रेडर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधि मंडल ने हुब्बल्ली से अहमदाबाद, जोधपुर व गोवा के लिए हवाई सेवा प्रारम्भ करने के लिए केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) व संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुनराम मेघवाल को हुब्बल्ली प्रवास के दौरान एक ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने एसोसिएशन के कार्याध्यक्ष अभिषेक मेहता, महामंत्री सुभाषचंद्रा डंक, देवासी समाज के अध्यक्ष नेतीराम देवासी आदि ने हुब्बल्ली–धारवाड़ महानगर से अहमदाबाद व गोवा के लिए हवाई सेवाओं के लिए जो पिछले तीन सालो से बंद पड़ी है उनको पुनः चालू करने व जोधपुर के लिए हवाई सेवा चालू करने के लिए निवेदन किया।

'सहजता से स्वीकार करना ही सच्ची साधना है'

बेंगलूरु। शहर के गणेश बाग में विराजित शिविराचार्यश्री विनयमुनिजी खींचन ने प्रज्ञापना सूत्र विवेचना पर प्रवचन देते हुए कहा कि मोहनीय कर्म अर्थात हम बोलते राग द्वेष छोड़े। । परंतु हम जितनी भी साधना, माला, जाप, तपस्या यह सब असाता दूर करने या धन रुपी पुण्य बांधने का भाव रहता है। एक भी जीव मोहनीय कर्म को क्षय किए बिना मोक्ष जाता ही नहीं है। शांति नहीं होने से साधना होती ही नहीं है। शरीर के सुख को हम सच्चा सुख मान बैठे हैं। तीर्थंकर देव का धर्म कहता है दुख का मूल मोहनीय कर्म है। सहजता से स्वीकारकरना ही सच्ची साधना है। संघ प्रवक्ता प्रसन्नचंद मांडोत ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री संपत राज मांडोत ने सभी का आभार व्यक्त किया।

सच्ची गुरु भक्ति से ही जीवन सार्थक बनता है : डॉ. सुयशनिधि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जयगच्छीय जैन संत डॉ. पदमचंद्रजी की सुशिष्याएं जैन समणी डॉ. सुयशनिधिजी एवं डॉ. सुयोगनिधिजी के सान्निध्य में श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, श्रीरामपुरम के तत्वावधान में मरुधर केसरी मिश्रीमल म.सा. की 41वीं पुण्यतिथि एवं जयगच्छाधिपति आचार्य प्रवर पार्श्वचंद्र महाराज साहब का 76वां जन्म दिवस 2–2 सामायिक के साथ मनाया गया। धर्मसभा को संबोधित करते हुए समणी डॉ. सुयशनिधिजी ने कहा कि गुरु वह प्रकाश है जो अज्ञानता के अंधकार को दूर करता है और हमें ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाता है। गुरु को हमारे जीवन में उस दीपक के समान माना गया है, जो हमें सही राह दिखाता है। गुरु भक्ति का अर्थ है अपने गुरु के प्रति श्रद्धा, समर्पण और आस्था रखना। यह केवल बाहरी सम्मान नहीं है, बल्कि गुरु के उपदेशों का पालन करना, उनके मार्गदर्शन में रहकर अपने जीवन को शुद्ध बनाना ही सच्ची गुरु भक्ति है। डॉ. समणी ने कहा कि जीवन में यदि गुणों को अपनाना आ गया तो वह साधक उत्तरोत्तर वृद्धि करता ही जाता है। इसी लिए सबसे आवश्यक बात है कि वह निंदा विकथा से दूर रहें।

समणी डॉ. सुयशनिधिजी की प्रेरणा से अनेक श्रावक श्राविकाओं ने किसी की भी निंदा करने का त्याग किया। गुरुओं की आशातना से बचने का संकल्प करते हुए सच्ची गुरु भक्ति का परिचय दिया।

शांतिलाल खिंवसरा ने अपने विचार व्यक्त किए। शांता धोका ने भजन द्वारा गुरु भक्ति गीत प्रस्तुत किया। जेपीपी जैन महिला फाउंडेशन, एलएन पुरम द्वारा आचार्यश्री पार्श्वचंद्रजी के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में 500 से अधिक लोगों के लिए अन्नदान किया।

शंकरपुरम में केसरिया आदिनाथ की प्राण प्रतिष्ठा 9 मार्च को, तैयारियां शुरु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के आदिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ शंकरपुरम के तत्वावधान में 16 माच को केसरिया आदिनाथजी परमात्मा की प्राण प्रतिष्ठा एवं 9 मार्च से 17 मार्च तक नवाह्निका महोत्सव की तैयारी एवं विभिन्न कमेटी गठन के लिए कर्नाटक जैन भवन में तैयारी बैठक का आयोजन किया गया। पारस भंडारी ने जानकारी देते हुए बताया कि प्राण प्रतिष्ठा में आचार्यश्री रत्नाकरसूरीश्वरजी म.सा एवं आचार्यश्री रत्नसंचयसूरीश्वरजी की निश्रा में अंजनशलाका प्राण प्रतिष्ठा संम्पन्न करवाई जाएगी। भंडारी ने प्रतिष्ठा की तैयारी की सम्पूर्ण जानकारी विस्तारपूर्वक बता कर सभी से सुझाव देने को कहा गया। सभी विषयों पर चर्चा कर सम्मान, भोजन व्यवस्था, विहार वैयावच्च, पंडाल, स्टेज, साउंड, लाइट, कैमरा, तोरण, पत्रिका, प्रसार–प्रसार आदि की कमेटियों का गठन किया गया। प्रतिष्ठा निमित्त प्रतिदिन आयंबिल करवाए जा रहे हैं। मंदिर के मुकेश पुनमिया एवं महेंद्र छाजेड़ ने सभी को धन्यवाद दिया। यह जानकारी कैलाश संखलेचा ने दी।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com